राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 13 जुलाई 2026 वर्ष-9,अंक-161 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

ग्लोबल स्टेज का 'मिस्टर इंडिया'... ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने प्रधानमंत्री मोदी के दौरे को लिया हाथों-हाथ

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाल ही में ऑस्ट्रेलिया की यात्रा पर थे। प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे को ऑस्ट्रेलियन मीडिया खासकर प्रिंट मीडिया ने हाथों-हाथ लिया। ऑस्ट्रेलिया के लगभग हर समाचार पत्र में प्रधानमंत्री मोदी ही छाए रहे। भारतीय प्रधानमंत्री का दौरा पूरे देश में पहले पन्नों, टेलीविजन बुलेटिनों और ऑनलाइन न्यूज प्लेटफॉर्म पर छाया हुआ है। 'द ऑस्ट्रेलियन' और 'द एज' जैसे बड़े अखबारों से लेकर बड़े टैब्लॉइड तक में डिफेंस और न्यूक्लियर समझौतों से लेकर मोदी के हाई-एनर्जी डायस्पोरा इवेंट तक सब कुछ शामिल रहा है, जिसमें ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज भी शामिल थे। यहां तक कि एक जाने-माने ऑस्ट्रेलियाई कॉलमिस्ट ने तो पीएम मोदी को ग्लोबल स्टेज का 'मिस्टर इंडिया' तक कह दिया। 'मिस्टर इंडिया' निकनेम से साफ पता चलता है कि कैसे प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय प्रवासियों के बीच मास अपील को अपनी बढ़ती हुई असरदार ग्लोबल डिप्लोमैटिक प्रोफाइल के साथ जोड़ा है। वहीं, मेलबर्न के मार्वल स्टेडियम में आयोजित एक कम्युनिटी इवेंट ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने समकक्ष एंथनी अल्बनीज के साथ मंच साझा किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने मजाक में कहा कि वह पिछले 12 सालों में ऑस्ट्रेलिया के 'दौरों की हैट्रिक' पूरी कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के लगभग सभी अखबारों ने अपने पहले पेज पर दोनों नेताओं की तस्वीरें छापीं। इन तस्वीरों और खबरों में ऑस्ट्रेलिया के भारतीय समुदाय के उत्साह और आपसी रिश्तों में बढ़ती गर्मजोशी को दिखाया गया। वहीं, अखबारों की सुर्खियों से परे प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे से अच्छे नतीजे भी मिले। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने न्यूक्लियर एनर्जी, डिफेंस, मैरीटाइम सिक्योरिटी, जरूरी मिनरल्स, टेक्नोलॉजी, साइबर सिक्योरिटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एजुकेशन और इन्वेस्टमेंट को कवर करने वाले 18 एग्रीमेंट्स पर साइन किए। सबसे खास बात तो यह है कि एक अहम समझौते से शांतिपूर्ण न्यूक्लियर इस्तेमाल के लिए भारत को लंबे समय से इंतजार किए जा रहे ऑस्ट्रेलियाई यूरेनियम एक्सपोर्ट का रास्ता साफ हो गया है। इस दौरान दोनों देशों ने डिफेंस और सिक्योरिटी कोऑपरेशन पर एक नया जॉइंट डिक्लेरेशन और इंडो-पैसिफिक में स्टेबिलिटी को मजबूत करने के मकसद से एक मैरीटाइम सिक्योरिटी कोलैबोरेशन रोडमैप भी पेश किया। ऑस्ट्रेलियाई अखबारों ने ऑस्ट्रेलिया-इंडिया सीईओ फोरम और इकोनॉमिक रोडमैप बिजनेस इवेंट में इन्वेस्टर्स को मोदी की पिच पर भी काफी ध्यान दिया। भारत को लंबे समय के इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन के तौर पर पेश करते

हुए मोदी ने ऑस्ट्रेलियाई बिजनेस से जरूरी मिनरल्स, रेयर अर्थ्स, लिथियम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिफेंस टेक्नोलॉजी और मजबूत सप्लाई चेन में सहयोग बढ़ाने की अपील की। मोदी ने बिजनेस लीडर्स से कहा कि भारत का स्केल और ऑस्ट्रेलियाई एक्सपर्टाइज दोनों के लिए विन-विन प्रपोजिशन है।

17 को लॉन्च होगी पहली हाइड्रोजन ट्रेन

नई दिल्ली।

भारतीय रेलवे 17 जुलाई को एक नई उपलब्धि हासिल करने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा में देश की पहली हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। यह ट्रेन जींद और सोनीपत के बीच 89 किलोमीटर लंबे रूट पर चलेगी। हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक पर आधारित यह ट्रेन भारतीय रेलवे के लिए ग्रीन ट्रांसपोर्ट की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है। उद्घाटन तो 17 जुलाई को होगा, लेकिन आम यात्रियों के लिए इसकी नियमित सेवा कब शुरू होगी, इसका फैसला अभी उत्तर रेलवे को करना है। रेलवे बोर्ड की ओर से जारी ऑपरेशन शेड्यूल के मुताबिक, नियमित संचालन के दौरान हाइड्रोजन ट्रेन नंबर 74010 सुबह 7:40 बजे जींद से रवाना होगी और करीब दो घंटे बाद सुबह 9:40 बजे सोनीपत पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 74009 सुबह 10:40 बजे सोनीपत से चलेगी और दोपहर 1:00 बजे जींद पहुंचेगी।

55 करोड़ की पाकिस्तानी हेरोइन पकड़ी

तरनतारन।

तरनतारन पुलिस ने ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से भारतीय इलाके में गिराई गई 10 किलो 900 ग्राम हेरोइन बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत लगभग 55 करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वल्टोहा थाने की पुलिस को देर रात सूचना मिली थी कि गांव लखना के बहकान के पास जसविंदर सिंह पुत्र बाली सिंह के खेत में ड्रोन के जरिए कुछ पैकेट गिराए गए हैं। सूचना मिलते ही वल्टोहा थाने के हेड सब-इंस्पेक्टर विपिन कुमार पुलिस टीम के साथ गांव लखना पहुंचे। उन्होंने सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साथ मिलकर संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान खेतों से एक प्लास्टिक बैग और कुछ खुले पैकेट मिले। इनका वजन करने पर कुल 10 किलो 900 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

नक्सलियों का डंप किया बरामद

दंतेवाड़ा।

दंतेवाड़ा पुलिस ने नक्सल विरोधी अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए नक्सलियों के छिपाए गए हथियार, विस्फोटक, कैश और सोने का डंप बरामद किया है। नक्सलियों ने जंगल-पहाड़ में हथियार छिपाकर रखा था। जिसे सरेंडर्ड नक्सलियों के बताए अनुसार मौके पर पहुंचे जवानों ने बरामद कर लिया है। मामला बारसूर थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार, नक्सलियों की निशानदेही पर चलाए गए सर्च ऑपरेशन में 116 ग्राम सोना, 2 लाख रुपए कैश समेत करीब 18 लाख रुपए की सामग्री जब्त की गई है। इस कार्रवाई में बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी मिले हैं। दंतेवाड़ा जिले में चलाए जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत सुरक्षा बलों की टीम ने बारसूर थाना क्षेत्र के तोड़मा गांव के जंगलों में सर्चिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान माओवादियों के जमीन के भीतर अलग-अलग स्थानों पर छिपाकर रखे गए कई डंप का पता चला।

पहलगाम में बादल फटा, सड़क बही

उत्तराखंड के हाइड्रो प्रोजेक्ट के पास लैंडस्लाइड, गाडियां-मशीनें मलबे में दबीं

नई दिल्ली।

पहाड़ी राज्यों में बारिश के चलते नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बादल फटने के बाद बाढ़ आई। कई खेत बर्बाद हो गए, सड़क बह गई। उत्तराखंड के विकासनगर में भारी बारिश के कारण लखवाड़ हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट में लैंडस्लाइड हो गई। कई वाहन और मशीनें मलबे में दब गईं। उधर, देश के लगभग 70 प्रतिशत हिस्से से मानसून के बादल गायब हो गए हैं। राजस्थान, दिल्ली-एनसीआर, पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र में अगले 5 दिन तक बारिश की संभावना भी कम है। बारिश रुकने से मध्य प्रदेश, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत के राज्यों में तापमान बढ़ गया। राजस्थान के श्रीगंगानगर में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मानसून को सक्रिय रखने वाले सिस्टम कमजोर पड़ा

मौसम विभाग के मुताबिक, देश के 70 प्रतिशत हिस्से से मानसून के बादल गायब होने के पीछे सबसे बड़ी वजह मानसून को सक्रिय रखने वाले सिस्टम का कमजोर पड़ना है। 9 जुलाई के बाद बंगाल की खाड़ी में कोई नया मजबूत लो-प्रेशर सिस्टम नहीं बना, जिससे मानसूनी हवाओं को पर्याप्त नमी नहीं मिल सकी। इसके साथ ही मानसून ट्रफ भी अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर खिसक गई है। इसकी वजह से मध्य, पश्चिम और दक्षिण भारत के बड़े हिस्से में बादल और बारिश की गतिविधियां काफी कम हो गई हैं। फिलहाल बारिश मुख्य रूप से उत्तर भारत, पूर्वी राज्यों और पूर्वोत्तर तक सीमित है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले कुछ दिनों तक देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून के फिर से पूरी तरह सक्रिय होने की संभावना कम है।

फिर जंग: ईरान के कई शहरों में हुए धमाके, होर्मुज भी ठप

तेहरान ।

मध्य पूर्व में एक बार फिर युद्ध जैसी स्थिति बनती दिख रही है, जहां खामेनेई के अंतिम संस्कार के बाद ईरान और अमेरिका के बीच तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। हाल ही में ईरान के कई शहरों - बुशहर, असालुयेह और जास्कर - में देर रात धमाकों की खबरें सामने आई हैं, जिसके बाद इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने की चेतावनी दे दी है। दूसरी ओर, अमेरिका ने ईरान पर साइप्रस-ध्वजा वाले जहाज एम/वी जीएफएस गैलेक्सी पर हमला करने का आरोप लगाया है, जिससे एक चालक दल का सदस्य लापता बताया जा रहा है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के अनुसार, होर्मुज से गुजरते समय हुए इस हमले के बाद अमेरिका ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का तीसरा दौर शुरू कर दिया है, जिसके

परिणामस्वरूप ईरानी शहरों में धमाके सुने गए।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक्स पर जारी बयान में कहा है कि शाम 7:15 बजे उसने ईरान के खिलाफ इस सप्ताह की तीसरी सैन्य कार्रवाई शुरू की, क्योंकि ईरानी सेना ने होर्मुज से गुजर रहे एक जहाज को निशाना बनाया था। सेंटकॉम के इस बयान के तुरंत बाद ईरान के कई शहरों में धमाके की खबरें सुनी गई हैं। वहीं, अमेरिका के पीट हेगसेथ ने कहा है कि ईरान ने गलत रास्ता चुना है और अब उसे जवाब देना होगा। ईरान ने अमेरिका की किसी भी नई सैन्य कार्रवाई का कड़ा जवाब देने की धमकी दी है और कहा है कि यदि दुश्मन हमला करता है तो पश्चिम एशिया में उसके सभी ठिकानों को निशाना बनाया जाएगा। आईआरजीसी की तरफ से जारी बयान में कहा गया, यदि दुश्मन स्थिति का फायदा उठाकर ईरान के खिलाफ हमला करने की कोशिश करता है, तो उसे कड़ा जवाब दिया जाएगा। साइप्रस के जहाज पर हमले के संबंध में आईआरजीसी ने दावा किया कि जहाज अनाधिकृत रूप से गुजरने की कोशिश कर रहा था और न रुकने पर उस पर क्रूज मिसाइल से हमला किया गया। यह तनाव ऐसे समय में बढ़ रहा है जब कुछ दिन पहले ही डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को एक हजार से अधिक मिसाइलों से निशाना बनाने की धमकी दी थी, यदि ईरान उन्हें मारने की साजिश रचता है। ईरान और अमेरिका के बीच यह अविश्वास होर्मुज जलडमरूमध्य के उपयोग को लेकर दशकों से चला आ रहा है।

अगले साल देश को मिलेगी पहली बुलेट ट्रेन

सूरत से बिलिमोरा तक काउंटडाउन शुरू, घंटों की दूरी मिनटों में होगी तय

हैदराबाद।

भारत का हाई-स्पीड रेल नेटवर्क का सपना अब हकीकत में बदलने की दहलीज पर है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है कि मुंबई और अहमदाबाद के बीच देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना का निर्माण कार्य बहुत तेजी से चल रहा है। उन्होंने साफ किया कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना का पहला चरण अगले साल (2027) शुरू होने जा रहा है, जिससे भारतीय रेलवे एक नए युग में प्रवेश करेगी।

रेल मंत्री ने योजना का खाका पेश करते हुए बताया कि शुरुआत में मुंबई-अहमदाबाद रूट पर सूरत से बिलिमोरा के बीच पहला सेक्शन चालू किया जाएगा। इसके बाद सिलसिलेवार ढंग से आगे का काम बढ़ाया जाएगा, जिसमें वापी से सूरत, वापी से अहमदाबाद, अहमदाबाद से ठाणे और अंत में अहमदाबाद से मुंबई तक का पूरा नेटवर्क पूरी तरह सक्रिय कर दिया जाएगा। रेल मंत्रालय द्वारा जारी एक वीडियो में भी इस बात की पुष्टि की गई है कि प्रोजेक्ट अब अपने अगले महत्वपूर्ण चरण में पहुंच चुका है।

हैदराबाद बनेगा दक्षिण भारत का हाई-स्पीड हब

पश्चिम भारत के साथ-साथ दक्षिण भारत को भी इस अत्याधुनिक तकनीक का बड़ा तोहफा मिलने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर हैदराबाद को तीन बड़े हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन कॉरिडोर से जोड़ा जा रहा है, जो पूरे क्षेत्र के परिदृश्य को बदल देंगे। ये कॉरिडोर पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-चेन्नई और हैदराबाद-बेंगलुरु के बीच बनेंगे, जिससे हैदराबाद एक प्रमुख हाई-स्पीड हब के रूप में उभरेगा।

(अहमदाबाद) अहमदाबाद ने रचा हरियाली का विश्व कीर्तिमान, एक घंटे में 3.61 लाख पौधे लगाकर बनाया गिनीज रिकॉर्ड

*** अमित शाह के 'हरियाली लोकसभा क्षेत्र' संकल्प को मिली नई उड़ान, 25 हजार स्वयंसेवकों ने मियावाकी पद्धति से रचा इतिहास**

अहमदाबाद ।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र गांधीनगर को 'हरियाली लोकसभा क्षेत्र' बनाने के संकल्प को पूरा करने की दिशा में अहमदाबाद महानगर पालिका (एएमसी) ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने के लिए अहमदाबाद महानगर पालिका ने रविवार को भाड़ज इलाके में आयोजित एक महाअभियान में मियावाकी पद्धति से केवल एक ही घंटे में 3.61 लाख पौधे लगाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया है।

लगभग 91,006 वर्ग मीटर क्षेत्र में आयोजित इस अभियान में 25,000 से अधिक वॉलंटियर्स यानी स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया, जिसके चलते यह विश्व रिकॉर्ड स्थापित हुआ है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और गांधीनगर लोकसभा के सांसद अमित शाह की प्रेरणा से आज पूरे संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में सघन वृक्षारोपण अभियान चलाया गया।

उनके मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, शहरी विकास और शहरी गृह निर्माण मंत्री, महापौर, मुख्य सचिव, मनपा आयुक्त, अन्य पदाधिकारी और मनपा के अलग-अलग विभागों के अधिकारी एएमसी के उत्तर पश्चिम जोन के थलतेज वार्ड में टीपी 30, एफपी नं. 255 और 246, सत्वम हाइट्स के निकट, गोता-गोधावी कैनाल के बाजु में, भाड़ज, अहमदाबाद में लगभग 91,006

वर्ग मीटर क्षेत्र में से 76,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में एक ऐतिहासिक हरियाली अभियान के आयोजन में सहभागी हुए।

अहमदाबाद महानगर पालिका ने यहां मियावाकी पद्धति से एक ही स्थान पर एक ही घंटे में अलग-अलग 35 स्वदेशी प्रजातियों के 3.61 लाख पौधे लगाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया है।

यह उपलब्धि अहमदाबाद शहर के पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील के पत्थर के समान है।

विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने वाले इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मनपा के सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों, स्कूल बोर्ड, बोचासणवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस), कन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (क्रेडाई), पुलिस स्टाफ, राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के छात्र, विभिन्न स्वैच्छिक संगठन (एनजीओ), शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और शहर के नागरिकों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया।

बावी तूफान से घिरे चीन के 2 शहर, 20 लाख लोगों को घरों से निकाला

- समुद्र में उठ रही 33 फीट ऊंची लहरें

बीजिंग ।

समुद्री तूफान बावी ने चीन के पूर्वी तटीय इलाकों में खतरा बढ़ा दिया है। शंघाई, हांग्जो और झेजियांग समेत कई क्षेत्रों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। तूफान की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन बड़े पैमाने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहा है, जबकि परिवहन सेवाओं पर भी व्यापक असर पड़ा है। मौसम विभाग ने तेज हवाओं और भारी बारिश की चेतावनी जारी करते हुए लोगों से घरों में रहने और सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

शंघाई में तूफान की चेतावनी का स्तर बढ़ाकर येलो अलर्ट कर दिया गया है, जो स्थानीय चार-स्तरीय चेतावनी प्रणाली में तीसरा सबसे गंभीर स्तर है। एहतियात के तौर पर मेट्रो ट्रेनों की गति कम कर दी गई है और हाईवे पर वाहनों की अधिकतम रफ्तार 60 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है। फेरी सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर दी गई हैं तथा शंघाई डिज्नी रिसॉर्ट के खुलने का समय भी आगे बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा शंघाई और आसपास के इलाकों से संचालित 300 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। प्रशासन के कर्मचारी लाउडस्पीकर के माध्यम से लोगों को खिड़की-दरवाजे बंद रखने और अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की सलाह दे रहे हैं।

पड़ोसी झेजियांग प्रांत में हालात और अधिक गंभीर बताए जा रहे हैं। हांग्जो शहर में समुद्र के ऊपर बने लगभग 35 किलोमीटर लंबे हांग्जो बे ब्रिज को यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। तूफान के संभावित प्रभाव को देखते हुए जोखिम वाले क्षेत्रों से बड़े पैमाने पर लोगों का सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरण किया जा रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, झेजियांग से 17 लाख से अधिक, फुजियान और बीजिंग से एक-एक लाख से ज्यादा तथा शंघाई से करीब 34 हजार लोगों को सुरक्षित जगहों पर भेजा गया है। कई इलाकों में राहत शिविर बनाए गए हैं, जहां प्रभावित परिवारों को ठहराया जा रहा है। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने इस वर्ष का पहला रेड अलर्ट जारी करते हुए चेतावनी दी है कि अगले 24 घंटों में कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा हो सकती है। तटीय इलाकों में 130 से 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और समुद्र में 33 फीट तक ऊंची लहरें उठने की आशंका जताई गई है। इस तूफान का पहला और सबसे तीव्र असर ताइवान में देखने को मिला, जहां हजारों लोगों को घर

छोड़ना पड़ा और बड़ी संख्या में घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। सैकड़ों उड़ानें रद्द हुईं और खराब मौसम के कारण कई लोग घायल भी हुए। प्रशासन लगातार बचाव और राहत कार्यों में जुटा है ताकि जनहानि को न्यूनतम रखा जा सके।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लोकतंत्र की नैतिक परीक्षा

(लेखक- कुमार कृष्णन)

लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि वह अपनी सबसे गहरी परीक्षा चुनावों में नहीं, बल्कि उन क्षणों में देता है जब कोई नागरिक सत्ता के सामने निहत्था खड़ा होता है। मतपेटियाँ सरकार बना सकती हैं, किंतु लोकतंत्र का नैतिक चरित्र इस बात से तय होता है कि वह उस अकेले नागरिक की आवाज़ को कितना महत्व देता है, जिसके पास न संगठन की शक्ति है, न धन का प्रभाव और न हिंसा का सहारा—सिर्फ़ सत्य का विश्वास और अपने शरीर का त्याग।

भारतीय लोकतंत्र का जन्म केवल संविधान की धाराओं से नहीं हुआ। उसकी आत्मा उन नैतिक संघर्षों से निर्मित हुई, जिन्होंने राजनीति को शक्ति की नहीं, सत्य की भाषा सिखाई। महात्मा गांधी ने भारतीय सार्वजनिक जीवन में एक अद्भुत परिवर्तन किया। उन्होंने प्रतिरोध को हिंसा से मुक्त किया और उसे नैतिक साहस में बदल दिया। सत्याग्रह केवल आंदोलन नहीं था; वह मनुष्य के विवेक पर रखा गया विश्वास था। गांधी का विश्वास था कि मनुष्य के भीतर एक ऐसा नैतिक केंद्र होता है, जिसे अंततः सत्य स्पर्श कर सकता है। इसलिए उन्होंने प्रतिद्वंद्वी को शत्रु नहीं माना; वे उसके अंतःकरण को संबोधित करते थे।

इसी कारण गांधी के यहाँ अनशन कभी राजनीतिक सौदेबाज़ी नहीं बनता। वह आत्मपीड़ा के माध्यम से दूसरे के भीतर करुणा और आत्ममंथन जगाने का प्रयास है। अनशन किसी को पराजित करने का नहीं, स्वयं को नैतिक रूप से प्रस्तुत करने का माध्यम है। वह लोकतंत्र की सबसे शांत, किंतु सबसे गहरी भाषा है।

यहीं से आज का प्रश्न आरंभ होता है।

जब पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक जैसे व्यक्ति अपनी बात सुनाने के लिए अनशन का मार्ग चुनते हैं, तब बहस केवल उनकी मांगों की नहीं रह जाती। लोकतंत्र में किसी भी मांग पर मतभेद स्वाभाविक हैं। सरकार किसी प्रस्ताव को स्वीकार करे या अस्वीकार—यह उसका अधिकार है। किंतु किसी नैतिक आग्रह को सुने बिना मौन रह जाना लोकतंत्र की उस संस्कृति पर प्रश्नचिह्न लगाता है, जिसकी नींव संवाद पर रखी गई थी।

लोकतंत्र में सत्ता का सबसे बड़ा गुण निर्णय लेने की क्षमता नहीं, सुनने की क्षमता होती है। निर्णय शक्ति का परिचायक है; सुनना परिपक्वता का। एक आत्मविश्वासी लोकतंत्र असहमति से भयभीत नहीं होता, क्योंकि उसे विश्वास होता है कि संवाद उसकी शक्ति को कम नहीं करेगा। इसके विपरीत, जो व्यवस्था प्रश्नों से डरने लगती है, वह धीरे-धीरे अपने ही नैतिक आधार को खोने लगती है।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन हमें यही सिखाता है। नमक सत्याग्रह हो, चंपारण हो, खेड़ा हो या गांधी के उपवास—इन सबका उद्देश्य सत्ता को अपमानित करना नहीं था, बल्कि उसे उसके नैतिक दायित्व की याद दिलाना था। यही कारण था कि सत्याग्रह केवल राजनीतिक रणनीति नहीं, बल्कि एक नैतिक दर्शन बन गया। दुनिया ने पहली बार देखा कि एक निहत्था मनुष्य भी साम्राज्य की शक्ति को चुनौती दे सकता है, यदि उसके पास नैतिक वैधता हो।

आज प्रश्न यह नहीं है कि इतिहास को दोहराया जाए। प्रश्न यह है कि क्या लोकतंत्र अब भी नैतिक आग्रह की भाषा समझता है? क्या वह अब भी अहिंसा को राजनीतिक संवाद का वैध माध्यम मानता है? या फिर हमने लोकतंत्र को केवल चुनावी गणित और प्रशासनिक प्रबंधन तक सीमित कर दिया है?

डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान सभा में संवैधानिक नैतिकता की जिस अवधारणा का प्रतिपादन किया था, उसका आशय केवल संस्थाओं का अस्तित्व नहीं था। वे जानते थे कि संविधान कागज़ पर लिखा हुआ एक दस्तावेज़ भर नहीं है; उसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि उसे चलाने वाले लोग लोकतांत्रिक संस्कृति का कितना सम्मान करते हैं। संवैधानिक नैतिकता का अर्थ है—असहमति का सम्मान, संवाद का धैर्य और शक्ति के प्रयोग में आत्मसंयम।

इसीलिए लोकतंत्र में बहुमत अंतिम नैतिक सत्य नहीं हो सकता। बहुमत सरकार बना सकता है, किंतु सत्य का एकाधिकार उसे नहीं मिलता। लोकतंत्र का सौंदर्य इसी में है कि वह अल्पमत को भी बोलने का अधिकार देता है और सत्ता को सुनने का दायित्व सौंपता है।

दुर्भाग्य से हमारे समय का सार्वजनिक जीवन एक विचित्र परिवर्तन से गुजर रहा है। संवाद की जगह शोर ने ले ली है। विमर्श की जगह प्रचार ने, और तर्क की जगह आरोपों ने। चौबीस घंटे चलने वाली बहसों में शब्द बहुत हैं, लेकिन सुनने की संस्कृति लगातार क्षीण होती जा रही है। असहमति को प्रतिद्वंद्विता और प्रतिद्वंद्विता को शत्रुता में बदल देने की यह प्रवृत्ति लोकतंत्र के लिए किसी भी बाहरी संकट से अधिक गंभीर है।

रवीन्द्रनाथ ठाकुर का एकला चलो रे व्यक्तिगत साहस का गीत है। लेकिन किसी लोकतंत्र की सफलता इस बात में नहीं कि नागरिक अकेले चलना सीख जाएँ; उसकी सफलता इस बात में है कि किसी नागरिक को अकेला चलने की नौबत ही न आए। लोकतंत्र का अर्थ है कि समाज, संस्थाएँ और सत्ता—तीनों मिलकर नागरिक की आवाज़ को सुनें।

आज इसलिए प्रश्न केवल सोनम वांगचुक का नहीं है। प्रश्न यह है कि क्या भारत अपने लोकतांत्रिक जीवन में गांधी की उस विरासत को जीवित रख पाएगा, जिसमें प्रतिरोध भी संवाद का अवसर होता है? क्या हमारी राजनीति फिर से यह स्वीकार करेगी कि असहमति राष्ट्र-विरोध नहीं, बल्कि लोकतंत्र की प्राणवायु है?

इन प्रश्नों का उत्तर किसी एक आंदोलन से नहीं मिलेगा। यह उत्तर हमारी लोकतांत्रिक संस्कृति देगी। यदि संवाद जीवित रहेगा तो लोकतंत्र भी जीवित रहेगा। यदि संवाद समाप्त हो गया, तो चुनाव बचेंगे, संस्थाएँ भी बच सकती हैं, लेकिन लोकतंत्र की आत्मा धीरे-धीरे क्षीण होती जाएगी।

गांधी ने कहा था कि सत्य की खोज कभी समाप्त नहीं होती। शायद इसी कारण लोकतंत्र भी कोई अंतिम उपलब्धि नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली नैतिक साधना है। इस साधना की पहली शर्त है—सत्ता सुनने का साहस रखे और नागरिक बोलने का अधिकार। जब तक यह संतुलन बना रहेगा, तब तक लोकतंत्र केवल शासन-पद्धति नहीं, बल्कि एक जीवित नैतिक संस्कृति बना रहेगा।

लोकतंत्र का संकट कभी अचानक नहीं आता। वह धीरे-धीरे हमारे सार्वजनिक जीवन में प्रवेश करता है। पहले संवाद कम होता है, फिर असहमति पर संदेह होने लगता है, उसके बाद विरोध को असुविधा समझा जाने लगता है और अंततः नागरिक को यह महसूस होने लगता है कि उसकी आवाज़ सत्ता तक पहुँच ही नहीं रही। यही वह क्षण है, जहाँ गांधी का सत्याग्रह फिर से प्रासंगिक हो उठता है। सत्याग्रह केवल सत्ता के विरुद्ध संघर्ष नहीं था; वह लोकतंत्र को उसकी नैतिक सीमाओं का स्मरण कराता था।

गांधी ने एक बार लिखा था कि किसी भी शासन की वास्तविक शक्ति जनता के सहयोग से आती है, भय से नहीं। इसलिए उन्होंने राजनीति में नैतिकता को केंद्रीय स्थान दिया। उनके लिए राज्य कोई सर्वशक्तिमान संस्था नहीं था, बल्कि जनता का सेवक था। जब राज्य स्वयं को समाज से ऊपर मानने लगता है, तब लोकतंत्र का संतुलन बिगड़ने लगता है। यही कारण है कि गांधी ग्राम स्वराज की बात करते थे। उनका विश्वास था कि जितनी अधिक सत्ता जनता के निकट होगी, उतनी ही अधिक जवाबदेही भी होगी।

आज यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि लोकतंत्र का स्वरूप तेजी से केंद्रीकृत होता दिखाई देता है। निर्णय लेने की प्रक्रिया अधिक सघन हुई है, लेकिन संवाद का दायरा संकुचित हुआ है। संसद चलती है, न्यायालय काम करते हैं, चुनाव होते हैं, मीडिया भी सक्रिय दिखाई देता है, फिर भी नागरिकों के भीतर यह अनुभूति बढ़ रही है कि उनकी बात सुनी कम और घोषित अधिक की जाती है। लोकतंत्र केवल संस्थाओं के अस्तित्व से नहीं चलता; वह विश्वास से चलता है। जब विश्वास कमजोर होता है, तब संस्थाएँ भी अपने नैतिक प्रभाव खोने लगती हैं।

सोनम वांगचुक का अनशन इसी विश्वास के संकट की ओर संकेत करता है। इसे केवल लद्दाख के प्रश्न तक सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए। लद्दाख की पारिस्थितिकी, हिमालय का भविष्य, जलवायु परिवर्तन, स्थानीय समुदायों के अधिकार और विकास का मॉडल—ये सभी राष्ट्रीय महत्व के विषय हैं। एक ऐसे व्यक्ति की चिंता, जिसने वर्षों तक हिमालय और पर्यावरण पर काम किया हो, स्वाभाविक रूप से गंभीर संवाद की अपेक्षा करती है। लोकतंत्र की गरिमा इसी में है कि वह ऐसी आवाज़ों को राजनीतिक खाँचों में बाँधने के बजाय सार्वजनिक विमर्श का विषय बनाए।

यहाँ गांधी और आंबेडकर के बीच दिखाई देने वाला वैचारिक अंतर भी एक महत्वपूर्ण शिक्षा देता है। दोनों के रास्ते अलग थे, लेकिन दोनों का लक्ष्य लोकतांत्रिक समाज था। गांधी ने नैतिक चेतना को जगाने का प्रयास किया, जबकि आंबेडकर ने संस्थागत न्याय की संरचना तैयार की। एक ने समाज के विवेक को संबोधित किया, दूसरे ने संविधान के माध्यम से नागरिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की। भारतीय लोकतंत्र की शक्ति इसी समन्वय में है। यदि नैतिकता कमजोर होगी तो संविधान भी खोखला लगेगा, और यदि संस्थाएँ कमजोर होंगी तो नैतिक आग्रह भी असहाय हो जाएगा।

इसी संदर्भ में जर्मन दार्शनिक हन्ना आरेंट का विचार उल्लेखनीय है कि सत्ता और हिंसा एक-दूसरे के विकल्प हैं। जहाँ संवाद और वैधता होती है, वहाँ हिंसा की आवश्यकता नहीं पड़ती। लेकिन जब सत्ता संवाद से दूर होती जाती है, तब वह प्रशासनिक शक्ति पर अधिक निर्भर होने लगती है। लोकतंत्र की परिपक्वता का प्रमाण यह नहीं कि उसके पास कितना बल है, बल्कि यह है कि उसे बल प्रयोग की आवश्यकता कितनी कम पड़ती है।

हमारे समय का एक और संकट यह है कि सार्वजनिक विमर्श तात्कालिक घटनाओं में उलझकर मूल प्रश्नों से दूर चला जाता है। चौबीस घंटे की समाचार संस्कृति और सोशल मीडिया की तात्कालिकता ने धैर्यपूर्वक सुनने और विचार करने की क्षमता को कमजोर किया है। किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन उसके नैतिक प्रश्नों के आधार पर कम और उसकी राजनीतिक उपयोगिता के आधार पर अधिक किया जाने लगा है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र को विचार से अधिक प्रतिक्रिया का समाज बना देती है।

इसीलिए आज सबसे अधिक आवश्यकता उस लोकतांत्रिक संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करने की है, जो किसी नागरिक की पीड़ा को उसके राजनीतिक परिचय से पहले मनुष्य होने के आधार पर देख सके। लोकतंत्र का अर्थ केवल अधिकारों का संरक्षण नहीं, बल्कि संवेदनाओं का सम्मान भी है। यदि समाज अपनी करुणा खो देता है, तो संविधान की धाराएँ भी उसे पूरी तरह जीवित नहीं रख सकतीं।

संपादकीय

बरसात में शहरों का हाल

जवाबदेही के इस अभाव ने ही हमारे शहरों की सूरत बिगाड़ रखी है। बारिश में शहर और भी अधिक दुर्दशाग्रस्त हो जाते हैं। कहीं सड़कें जलमग्न हो जाती हैं तो कहीं सीवर उफना जाते हैं। यह राहत की बात है कि देर से आए मानसून ने पूरे देश को कवर कर लिया। बीते कुछ दिनों में मानसून देश के उन हिस्सों में भी पहुंच गया, जहां उसके पहुंचने को लेकर आशंका उत्पन्न हो गई थी, लेकिन इसी के साथ देश के अनेक शहरों से ऐसी खबरें आना चिंताजनक भी है कि पहली बारिश में ही जल भराव, ट्रैफिक जाम आदि के कारण लोग त्रस्त हुए। यह समझ आता है कि किसी शहर में कम समय में अधिक बरसात हो जाने से लोगों को जल भराव जनित कुछ समस्याओं का सामना करना ही पड़ेगा, लेकिन आखिर इसका क्या मतलब कि कई शहरों में मामूली बरसात ही लोगों के लिए समस्या बन जाए? यह निराशाजनक है कि हर वर्ष बरसात में हमारे छोटे-बड़े शहर तमाम समस्याओं से घिर जाते हैं। गलियों से लेकर प्रमुख मार्गों तक में पानी जमा हो जाने के कारण केवल आवागमन ही बुरी तरह बाधित नहीं होता, बल्कि कई छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं भी देखने को मिलती हैं। कई बार इन दुर्घटनाओं में लोगों की जान भी जाती है। इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं हो सकती कि जिस बारिश की प्रतीक्षा हो रही होती है, वह मुसीबत का जरिया बन जाती है। इसका मुख्य कारण शहरों का नियोजित ढंग से विकास न करना और विशेष रूप से वर्षा जल निकासी के उचित प्रबंध न होना है। प्रति वर्ष मानसून के आगमन के पहले ऐसी खबरें आती हैं कि स्थानीय निकाय जल भराव से बचने के उपाय करने के साथ नालों की सफाई करने में जुट गए हैं, लेकिन आम तौर पर पहली बारिश ही इन दावों की पोल खोल देती है। यह पोल इसलिए खुलती है, क्योंकि नगर निकाय अपना काम सही तरह नहीं करते। इसके बाद भी वर्षाजनित समस्याओं के लिए नगर निकायों के अधिकारी, पार्षद, मेयर आदि कभी जवाबदेह नहीं ठहराए जाते। जवाबदेही के इस अभाव ने ही हमारे शहरों की सूरत बिगाड़ रखी है। बारिश में शहर और भी अधिक दुर्दशाग्रस्त हो जाते हैं। कहीं सड़कें जलमग्न हो जाती हैं तो कहीं सीवर उफना जाते हैं। बारिश में कई समस्याएं इसलिए भी सिर उठा लेती हैं, क्योंकि सड़कों और नालियों का निर्माण घटिया तरीके से होता है। इसके चलते कई बार सड़कें और यहां तक कि एक्सप्रेसवे तक धंस जाते हैं। जिन शहरों में बारिश से अत्यधिक जल भराव होता है, उन्हें सैकड़ों करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है, लेकिन वर्षाजनित समस्याओं के स्थायी और ठोस समाधान तब भी नहीं किए जाते। इसका एक बड़ा कारण नगर निकायों का भ्रष्टाचार है। अपने देश की एक बड़ी त्रासदी यह भी है कि सीवेज के साथ ड्रेनेज सिस्टम दोयम दर्जे का है। स्थिति यह है कि शहरों के विस्तार के क्रम में नए विकसित इलाकों में भी जलनिकासी के उचित उपाय नहीं किए जाते। इससे यही लगता है देश में सुनियोजित नगर नियोजन नाम की कोई चीज ही नहीं रह गई है।

साम्राज्वाद के विरोध में ईरान का प्रतीकः बंद मुट्ठी

(लेखक- तनवीर जाफ़री)

ईरानी सुप्रीम लीडर शहीद आयतुल्लाह ख़ामनेई की पिछले दिनों 4 से 9 जुलाई के मध्य हुई विश्व की सबसे बड़ी अंत्येष्टि को दुनिया ने देखा। लगभग एक सप्ताह तक चले अंत्येष्टि के इस आयोजन में ईरान व इराक़ में लगभग दो हज़ार किलोमीटर की शवयात्रा निकाली गयी, करोड़ों की भीड़ को विभाजित करने के लिये तेहरान साहित कई प्रमुख शहरों में नमाज़-ए-जनाज़ा पढ़ाई गयी। यह ऐतिहासिक जनसैलाब न केवल अमेरिका इस्राईल के मिसाईल हमले में शहीद अपने रहबर व उनके शहीद परिजनों को रोते बिलखते हुये श्रद्धांजलि दे रहा था बल्कि भारी गुस्से का भी इज़हार कर रहा था। लाखों लोग बदले का प्रतीक लाल परचम उठाये हुये थे जबकि सैकड़ों बैनर पोस्टर पर अंग्रेज़ी में किल ट्रंप लिखकर अमेरिका को ईरानियों का सीधा सन्देश भी दिया गया था। ग़म और गुस्से के संदेशों से भरे इन्हीं परचमों,पोस्टर्स व बैनर्स के बीच एक विशेष प्रतीक ने भी पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। यह था बंद व बुलंद मुट्ठी का प्रतीक। ख़बर है कि शहादत के वक़्त भी उनकी मुट्ठी बंधी हुई थी।

दरअसल बंद मुट्ठी का अर्थ आम तौर पर प्रतिरोध, एकजुटता, और संघर्ष को जारी रखने का संकेत होता है। आयतुल्लाह ख़ामनेई की शहादत के संदर्भ में इसे उनके समर्थकों व राजनीतिक व धार्मिक पक्षों की तरफ़ से यह संदेश माना गया कि वे उनकी विरासत, उनके विचार और ईरान की मौजूदा सत्ता-रचना के साथ खड़े हैं। इतिहास गवाह है कि बंद मुट्ठी दुनिया भर में पहले भी कई वैश्विक आंदोलनों में ख़ासकर साम्राज्यवादी शक्तियों के विरोध और दृढ़ता का प्रतीक रही है। इस प्रतीक को केवल शोक का ही नहीं, बल्कि 卐हम पीछे नहीं हटेंगे卐 हम डटे रहेंगे व हमारा संकल्प दृढ़ है,हम संगठित हैं जैसे राजनीतिक संदेशों के रूप में भी समझा जाता है। इसी तरह ख़ामनेई की शहादत के बाद जो पोस्टर लगाए गए, उनमें बंद मुट्ठी को उनकी सत्ता, विचारधारा और समर्थक नेटवर्क की निरंतरता के प्रतीक की तरह इस्तेमाल किया गया। इसका आशय यह भी हो सकता है कि उनके अनुयायी इसे केवल मृत्यु नहीं, बल्कि संघर्ष और प्रतिरोध के नए चरण की शुरुआत मान रहे हैं। वैसे भी दास्तान-ए-करबला से प्रेरणा लेने वाली शिया क़ौम में राजनीति और प्रतीकों में शोक, प्रतिशोध और न्याय की भाषा बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है। इसलिए ऐसी छवियाँ भावनात्मक रूप से यह भी कहती हैं कि समुदाय अपने नेता की 'शहादत' या मृत्यु को निजी दुख के साथ-साथ सामूहिक संकल्प में बदल रहा है। बंद मुट्ठी का मतलब यह भी है कि हम शोक में तो ज़रूर हैं लेकिन हम कमज़ोर नहीं हैं और हम विरोध का अपना रास्ता भी जारी रखेंगे। बंद मुट्ठी का प्रतीक यह भी दर्शाता है कि हम कमज़ोर, बिखरे हुये या नेतृत्व-हीन नहीं हैं बल्कि हमारा संगठन, विचारधारा और सामूहिक अनुशासन अभी भी मज़बूत है।

पोस्टर और प्रतीक केवल तर्क से नहीं, भावना से भी काम करते हैं। बंद मुट्ठी, शोक को क्रोध, स्मृति और प्रतिशोध की राजनीति में बदल देती है, जिससे समर्थकों में एक सामूहिक पहचान और 'हम बनाम वे' की भावना मज़बूत होती है। ऐसे पोस्टर आंतरिक सत्ता-संघर्ष में भी काम आते हैं, क्योंकि वे उत्तराधिकार या नेतृत्व-रिक्ति के समय समर्थकों को एक धुरी के चारों ओर इकट्ठा करते हैं। इससे जनता को यह संदेश जाता है कि सत्ता या व्यवस्था अभी भी नियंत्रण में है और बिखराव नहीं हुआ। आम तौर पर ऐसे प्रतीक तीन स्तरों पर अपना व्यापक प्रभाव छोड़ते हैं। एक तो सड़क पर समर्थकों का मनोबल बढ़ाने में,दूसरा नेतृत्व की वैधता दिखाने और तीसरे अपने विरोधियों को यह संकेत देने में कि संघर्ष वैचारिक रूप से जारी रहेगा। इसलिए इसे केवल एक चित्र नहीं, बल्कि राजनीतिक संचार की रणनीति समझना चाहिए। साथ ही बाहरी दुनिया के लिए भी यह प्रतीक एक तरह की चेतावनी है कि ईरान-समर्थक धड़ा किसी भी स्वयंभू महाशक्ति के दबाव में झुकने वाला नहीं है। ईरान में शहीद ख़ामनेई की अंत्येष्टि में करोड़ों शोकाकुल लोगों के बीच इस तरह के संकेत का पोस्टर बैनर्स में नज़र आना साथ ही बार बार उपस्थित करोड़ों लोगों द्वारा गुस्से में यही प्रतीक बनाकर और बुलंद कर व अमेरिका, इज़राइल के विरुद्ध गगनचुंबी नारे लगाकर प्रतिद्वंद्वियों को सीधा संदेश दिया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व उनके ख़ास सहयोगी देश इस्राईल के साम्राज्यवादी इरादों को दुनिया देख ही रही है। ग़ज़ा,फ़िलिस्तीन,लेबनॉन,सीरिया,यमन,ईरान,इराक़,वेनेज़ुएला आदि अनेक देशों को बर्बाद करने में अमेरिका इस्राईल ने कोई कसर बाक़ी नहीं राखी। जब चाहे जिस देश को चाहें धमकियाँ देते रहते हैं। यहाँ तक की देश पर क़ब्ज़ा करने की भी धमकी दे बैठते हैं। यह साम्राज्यवादी देश, दूसरे देशों की धन सम्पदाओं,प्राकृतिक संसाधनों यहाँ तक कि उनपर बलात क़ब्ज़ा जमाकर उनकी संप्रभुता से खिलवाड़ करने की सोच रखते हैं। और अपने इन नापाक इरादों को पूरे करने के लिये बांटो और राज करो,पड़ोसी देशों में भय और अविश्वास पैदा करने जैसे घिनौने खेल खेलते हैं और इसी की आड़ में अपने हथियार बेचते हैं। दुनिया के तमाम देश इनकी ताक़त की वजह से इनसे सीधे टकराव नहीं चाहते। परन्तु ईरान ने विश्व इतिहास में अब तक के इस मिथक को मिटा दिया है कि इन साम्राज्यवादी देशों का मुक़ाबला नहीं किया जा सकता। सैन्य ताक़त से लेकर राजनैतिक व कूटनीतिक सभी क्षेत्रों में स्वयंभू सर्वशक्तिमान अमेरिका,इस्राईल व इनका साथ देने वाले उसके सभी सहयोगियों को दिखा दिया कि सच्चाई के रास्ते पर चलते हुये बंद मुट्ठी की ताक़त दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश को भी घुटनों पर ला सकती है।और अब दुनिया यह स्वीकार करने लगी है कि विश्व व्यवस्था अब सम्राज्यवादी अमेरिका के इशारों पर नहीं चलने वाली। ऐसे में सवाल यहउठता है कि क्या अब ख़ामनेई की बंद मुट्ठी साम्राज्वाद के विरोध में ईरान का नया प्रतीक बनेगी?

प्रकाशस्रोत परमात्मा

परमात्मा या भगवान ही सूर्य, चन्द्र तथा नक्षत्रों जैसी प्रकाशमान वस्तुओं के प्रकाशस्रोत हैं। वैदिक साहित्य बताता है कि वैकुंठ राज्य में सूर्य या चन्द्रमा की आवश्यकता नहीं पड़ती, क्योंकि वहां परमेश्वर का तेज विद्यमान है। भौतिक जगत में ब्रम्हज्योति या भगवान का आध्यात्मिक तेज भौतिक तत्वों से ढका रहता है। अतः हमें सूर्य, चन्द्र, बिजली आदि के प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है। वैदिक साहित्य में स्पष्ट है कि भगवान आध्यात्मिक जगत (वैकुंठ लोक) में स्थित हैं। श्वेतातर उपनिषद में कहा गया है- आदित्यवर्ण तमसः परस्तात अर्थात वे सूर्य की भांति अत्यन्त तेजोमय हैं, लेकिन भौतिक जगत के अन्धकार से बहुत दूर हैं। उनका ज्ञान दिव्य है।

वैदिक साहित्य पुष्टि करता है कि ब्रम्ह घनीभूत दिव्य ज्ञान है। जो वैकुंठ जाने का इच्छुक है, उसे परमेश्वर द्वारा ज्ञान प्रदान किया जाता है। एक वैदिक मंत्र है तं ह देवम आत्मबुद्धिप्रकाशं मुमुक्षुवै शरणामहं प्रपद्ये। अर्थात मुक्ति के इच्छुक मनुष्य को चाहिए कि वह भगवान की शरण में जाए। जहां तक चरम ज्ञान के लक्ष्य का सम्बन्ध है, वैदिक साहित्य से भी पुष्टि होती है-तमेव विदित्वाति मृत्युमेति यानी उन्हें जान लेने के बाद ही जन्म तथा मृत्यु की परिधि को लांघा जा सकता है।

वे प्रत्येक हृदय में परम नियन्ता के रूप में स्थित हैं। परमेश्वर के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं लेकिन जीवात्मा के विषय में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अतः मानना ही पड़ेगा कि कार्यक्षेत्र जानने वाले दो ज्ञाता हैं- एक जीवात्मा तथा दूसरा परमात्मा। पहले के हाथ-पैर किसी एक स्थान तक सीमित हैं जबकि कृष्ण के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं। इसकी पुष्टि श्वेतातर उपनिषद में इस प्रकार हुई है। सर्वस्थ प्रभुमीशानं सर्वस्य शरणं बृहत यानी वह परमेश्वर या परमात्मा समस्त जीवों का स्वामी या प्रभु है। वह उन सबका चरम आश्रय है। अतः इस बात से मना नहीं किया जा सकता कि परमात्मा तथा जीवात्मा भिन्न हैं।

विचार मंथन

नेतन्याहु के मकड़जाल में फंसकर फड़फड़ा रहे ट्रंप?

(लेखक- सनत जैन)

28 फरवरी को इजराइल और अमेरिका ने मिलकर ईरान पर व्यापक हमले किए, जिसके बाद से पूरा मध्य पूर्व इस सैन्य संघर्ष की चपेट में आ गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था, एक सप्ताह के अंदर ईरान में सत्ता बदल जाएगी। मोसाद और इजराइल की नेतन्याहू सरकार ने जिस तरह से ईरान में सत्ता पलटने की कोशिश की थी, ईरान में आंदोलन बड़े पैमाने पर हो रहे थे। इसी बीच ईरान पर हमला किया गया। इजराइल और अमेरिका ने कभी सोचा भी नहीं था कि ईरान उन्हें इस तरह से जवाब देगा। अमेरिका और इजराइल की जो सबसे बड़ी गलती थी, उसमें ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई सहित उनके परिवार के पांच सदस्यों की हत्या तथा स्कूल में किए गए हमले में 165 से ज्यादा बच्चियों की मौत ने युद्ध के सारे समीकरण बदल दिए। मोसाद, अमेरिका और इजराइल के खिलाफ ईरान की जनता भड़क गई। ईरान के रणनीतिकारों ने इसे अपने अस्तित्व का संकट मानकर जिस तरह से रूस और चीन के साथ-साथ होर्मूज स्टेट को अपना हथियार बनाया, उसने तमाम दावों को गलत साबित कर दिया। जिस तरह से मोसाद का सफाया ईरान से किया गया, अरब देशों में अमेरिका के जो सैन्य ठिकाने बने थे ईरान ने अपने जवाबी हमले में उन्हें नष्ट किया। इसकी कल्पना कभी भी अमेरिका और इजराइल ने नहीं की थी।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू गाजा में जिस तरह का नरसंहार कर रहे थे, उनके ऊपर भ्रष्टाचार के भारी आरोप लगे हुए थे। नेतन्याहु ने स्वयं को बचाने के लिए जिस तरह से अमेरिका का उपयोग किया, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने मकडजाल में फंसाया, उसके बाद से अमेरिका बुरी तरह से फंसता चला गया। पिछले 4 महीने में अमेरिका ने तीन बार युद्ध से बाहर निकलने की कोशिश की, लेकिन वे असफल रहे। हर बार इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कारण कोई भी बातचीत परिणाम तक नहीं पहुंच सकी है। अब तो यह साफ दिखने लगा है राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। इजराइल में कुछ महीने पश्चात चुनाव होने जा रहे हैं। अमेरिका के कुछ राज्यों में चुनाव अगले कुछ महीनो में होना है। दोनों ही नेताओं की लोकप्रियता में बड़ी तेजी के साथ कमी आई है और दोनों ही अपने अस्तित्व की लड़ाई को लड़ रहे हैं।

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपना आखिरी ब्रह्मास्त्र चल दिया है। इस ब्रह्मास्त्र में उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उनकी हत्या का भय दिखाकर युद्ध के मैदान से भागने के स्थान पर डटकर मुकाबला करने की सलाह दी है। यह ब्रह्मास्त्र उन्होंने चला है, जिसका असर भी डोनाल्ड ट्रंप के ऊपर होता हुआ नजर आया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह कथन कि उन्होंने 1000 मिसाइल ईरान की तरफ तैनात कर दी हैं, यदि उनकी हत्या होती है तो इसके लिए ईरान जिम्मेदार होगा और ऐसे में उसे पूरी तरफ खत्म कर दिया जाएगा। इसी तरह ईरान ने भी अमेरिका और इजराइल को चेतावनी दे दी है कि वह अपने सर्वोच्च नेता की हत्या का बदला लेंगे। अपराधियों की पूरी सूची उन्होंने तैयार कर रखी है। ईरान की जनता ने जिस तरह से इमाम हुसैन की शहादत का बदला लिया था ठीक उसी तरह का बदला इन हत्यारों से लेगी। जिसके कारण पश्चिम एशिया में एक बार फिर से युद्ध का संकट बढ़ गया है। ईरान और अमेरिका एक दूसरे के ऊपर लगातार हमले कर रहे हैं। युद्ध विराम को लेकर जो एक शांति का वातावरण बनता हुआ दिख रहा था वह एक बार फिर अशांति की ओर परिवर्तित हो रहा है। यदि यह युद्ध हुआ तो सारी दुनिया के देशों पर इसका असर पड़ेगा। अंततः युद्ध कभी किसी समस्या का हल नहीं होता, इसके लिए शांति-वार्ता के साथ बीच का रास्ता निकालना ही समझदारी होगी।

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपना आखिरी ब्रह्मास्त्र चल दिया है। इस ब्रह्मास्त्र में उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उनकी हत्या का भय दिखाकर युद्ध के मैदान से भागने के स्थान पर डटकर मुकाबला करने की सलाह दी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जुलाई में अब तक एफपीआई ने भारतीय शेयरों में 15,157 करोड़ डाले

- चालू वर्ष में अब तक एफपीआई की कुल निकासी 2.60 लाख करोड रही

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने लगातार चार महीने तक बिकवाली करने के बाद जुलाई में भारतीय शेयरों में 15,157 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध निवेश किया है। यह बेहतर होते घरेलू आर्थिक संकेतकों, रुपये की स्थिरता और वैश्विक स्तर पर जोखिम लेने की बढ़ती धारणा का परिणाम है। जुलाई से पहले, एफपीआई ने मार्च से जून तक चार महीनों में भारतीय शेयरों से करोड़ों रुपये की बड़ी निकासी की थी, जिसमें मार्च में 1.17 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बिकवाली भी शामिल थी। फिर भी चालू वर्ष में अब तक एफपीआई की कुल निकासी 2.60 लाख करोड़ रुपये रही है। विशेषज्ञों के अनुसार जुलाई में निवेश की यह वापसी वैश्विक जोखिम लेने की बढ़ती प्रवृत्ति, भू-राजनीतिक तनाव घटने, ऊर्जा कीमतों की चिंता कम होने और भारत की मजबूत व्यापक आर्थिक स्थिति पर भरोसे का परिणाम है। घरेलू अर्थव्यवस्था में सुधार और रुपये की स्थिरता ने भी विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया है। हालांकि, विश्लेषकों ने आगाह किया है कि जुलाई की यह वापसी उत्साहजनक है, फिर भी भविष्य का रुख वैश्विक परिस्थितियों और भारत की घरेलू आर्थिक वृद्धि की मजबूती पर निर्भर करेगा। इसी बीच, एफपीआई ने जुलाई में ऋण बाजार में भी पूर्ण पहुंच मार्ग (एफएआर) के तहत 6,625 करोड़ रुपये तथा सामान्य मार्ग से 3,228 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है।

ओसवाल ओवरसीज को दिवाला कार्यवाही से राहत, एनसीएलएटी ने वापसी की दी अनुमति

- कंपनी और वित्तीय ऋणदाता के बीच 2.80 करोड़ में हुआ समझौता

नई दिल्ली । राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने ओसवाल ओवरसीज लिमिटेड के खिलाफ शुरू की गई दिवाला कार्यवाही को वापस लेने की अनुमति दे दी है। यह फैसला कंपनी और उसके वित्तीय ऋणदाता एलएच शुगर फैक्टरीज के बीच हुए एक सौहार्दपूर्ण समझौते के बाद आया है, जिसके तहत ओसवाल ओवरसीज ने 2.80 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। एनसीएलएटी पीठ के समक्ष ओसवाल ओवरसीज और एलएच शुगर फैक्टरीज ने संयुक्त आवेदन दाखिल कर सौहार्दपूर्ण समझौते की जानकारी दी, जिसकी शर्तें भी प्रस्तुत की गईं। समझौते के तहत, ओसवाल ओवरसीज ने एलएच शुगर फैक्टरीज को 2.80 करोड़ रुपये का डिमांड ड्राफ्ट सौंप दिया है। ऋणदाता के वकील ने वित्तीय कर्ज के पूर्ण निपटान की पुष्टि की। पूर्व में एनसीएलएटी ने अंतरिम समाधान पेशेवर (आईआरपी) को दिवाला समाधान प्रक्रिया में आगे बढ़ने से रोका था। सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों ने बताया कि दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 12ए के तहत औपचारिक वापसी के लिए राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के समक्ष आवेदन आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि आईबीसी के हालिया संशोधनों के अनुसार, ऐसे आवेदन पर ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) की मंजूरी आवश्यक है, जो सभी दावों के सत्यापन के बाद गठित होती है।

दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज को अंतरराष्ट्रीय झटका, जी5 से हटाई गई

मुंबई ।

पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ की बहुचर्चित फिल्म सतलुज को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। भारत में रिलीज़ न होने के बाद अब इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बड़ा झटका लगा है, क्योंकि इसे जी5 की इंटरनेशनल लाइब्रेरी से हटा दिया गया है। इस कदम से फिल्म के सर्टिफिकेशन और रिलीज़ को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार, भारत में भी इसे अभी तक रिलीज़ की मंजूरी नहीं मिली है। फिल्म का नाम पहले पंजाब 95 था और इसे 2022 में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के पास भेजा गया था, लेकिन सेंसर सर्टिफिकेट अब तक नहीं मिला है। यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने 1980 और 1990 के दशक में पंजाब में कथित अवैध दाह संस्कार और फर्जी मुठभेड़ों के मामलों को उजागर किया था। यही संवेदनशील विषय इस फिल्म के लंबे विवाद का मुख्य कारण है।

कंपनियों के नतीजे, भू-राजनीति और क्रूड की चाल पर रहेगी बाजार की नजर

निवेशक अमेरिका-ईरान तनाव और कच्चे तेल की चाल पर रखेंगे पैनी नजर

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को लगातार दूसरे सत्र में जोरदार तेजी दिखाते हुए निवेशकों में उत्साह भरा। सेंसेक्स 828 अंक उछलकर 77,569 और निफ्टी 244 अंक बढ़कर 24,206 पर बंद हुआ। हालांकि, आने वाला सप्ताह निवेशकों के लिए कई अहम चुनौतियों और अवसरों से भरा होगा, जहां घरेलू और वैश्विक दोनों तरह के फैक्टर बाजार की दिशा तय करेंगे। इस सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार की चाल कई महत्वपूर्ण कारकों से प्रभावित होगी। सबसे पहले, जून तिमाही के नतीजों का सिलसिला जोर पकड़ेगा। लगभग 100 कंपनियां अपने वित्तीय नतीजे पेश करेंगी। टीसीएस के बेहतर प्रदर्शन के बाद आईटी सेक्टर पर खास नजर रहेगी। एचसीएल टेक और विप्रो के नतीजों के साथ उनकी भविष्य की गाइडेंस भी निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होगी, जो सेक्टर के सेंटिमेंट को प्रभावित कर सकती है। उम्मीद से बेहतर नतीजे बाजार को मजबूती दे सकते हैं, वहीं कमजोर गाइडेंस मुनाफावसूली को ट्रिगर कर सकती है। घरेलू कारकों के साथ-साथ भू-राजनीतिक घटनाक्रम भी बाजार पर असर डालेंगे। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। हालांकि, बातचीत जारी रहने की खबरों ने कुछ राहत दी है। तनाव में कमी आने से वैश्विक बाजारों का माहौल सुधरेगा, जबकि स्थिति बिगड़ने पर उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है। कच्चे तेल की कीमतें भी अहम भूमिका निभाएंगी। कच्चे तेल की नरमी महंगाई पर दबाव कम करती है। हालांकि, यदि अगले सप्ताह कीमतों में फिर से तेजी आती है, तो यह बाजार के लिए चिंता का विषय बन सकता है। निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार को दिशा देंगी। पिछले सप्ताह विदेशी संस्थागत निवेशकों ने करीब 4,670 करोड़ रुपये और घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लगभग 8,275 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह खरीदारी का रुख जारी रहता है, तो बाजार को अच्छा समर्थन मिलेगा। अंत में रुपये की चाल भी महत्वपूर्ण रहेगी।

शुक्रवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 9 पैसे मजबूत होकर 95.38 पर बंद हुआ, लेकिन पूरे सप्ताह दबाव में रहा था। डॉलर इंडेक्स और कच्चे तेल की कीमतों में बड़ा बदलाव रुपये को प्रभावित कर सकता है, जिसका असर भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ना तय है।

कुल मिलाकर यह सप्ताह कॉर्पोरेट नतीजों, भू-राजनीति और वैश्विक आर्थिक संकेतकों के बीच निवेशकों के लिए सतर्कता और अवसरों का संतुलन लेकर आएगा।

इंडियन बैंक का चालू वित्त वर्ष में 5,500 करोड़ के डूबे कर्ज की वसूली का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने चालू वित्त वर्ष (2026-27) के लिए 5,500 करोड़ रुपए के डूबे कर्ज (एनपीए) की वसूली और 2 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा जमा जुटाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। बैंक ने वित्तीय प्रदर्शन में सुधार और जमा आधार को मजबूत करने के लिए इन प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है। इंडियन बैंक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि बैंक ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ही 1,885 करोड़ रुपए डूबे कर्ज की वसूली कर ली है। बैंक का पूरे वित्त वर्ष के लिए 4,500 से 5,500 करोड़ रुपए वसूली का लक्ष्य है, जिसमें राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में लंबित मामलों से 500 करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद है। बैंक 9 जुलाई तक 14 करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा जमा (एफसीएनआर-बी) जुटा चुका है और सितंबर तक 2 अरब डालर का लक्ष्य लेकर आशान्वित है। फिलहाल, बैंक के पास लगभग .1 अरब की संभावित जमा पाइपलाइन में है। बैंक एफसीएनआर (बी) जमा पर 5.5 से 6.5 फीसदी तक आकर्षक ब्याज दरें दे रहा है, जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा ब्याज दर की ऊपरी सीमा हटाए जाने के बाद संभव हुआ है। कम लागत वाली चालू एवं बचत खाते (कासा) जमा को बढ़ाने के प्रयासों के तहत, पहली तिमाही में इसमें 15.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। जून तिमाही के अंत तक कासा जमा बढ़कर 3.19 लाख करोड़ रुपए हो गई, जिससे कुल जमा में इसकी हिस्सेदारी 39.73 फीसदी तक पहुंच गई है। बैंक ने चालू वित्त वर्ष में कासा अनुपात को 40 फीसदी तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। इसके अतिरिक्त, बैंक ने जून तिमाही में 17 लाख निष्क्रिय खातों को सक्रिय कर 1,469 करोड़ रुपए की अतिरिक्त जमा जोड़ी है।

बाजार की नरमी में भी चार दिग्गजों का जलवा, 93 हजार करोड़ का उछाल

एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल ने सर्वाधिक लाभ कमाया

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में मामूली गिरावट के बावजूद सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार ने विपरीत परिस्थितियों में भी मजबूत प्रदर्शन किया। इन चार कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 92,995.48 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ, जिसमें एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल ने सर्वाधिक लाभ कमाया। यह वृद्धि ऐसे समय में हुई जब बीएसई का सेंसेक्स और एनएसई का निफ्टी दोनों ही हल्की गिरावट के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण सबसे अधिक 35,808.09 करोड़ रुपये बढ़कर 12,69,454.42 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसके बाद भारती एयरटेल का मूल्यांकन 34,896.92 करोड़ रुपये बढ़कर 11,98,774.22 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को भी 16,065.50 करोड़ रुपये का फायदा हुआ, जिससे इसका मार्केट कैप 5,60,205.05 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 6,224.97 करोड़ रुपये बढ़कर 17,71,206.33 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जिसने पहले स्थान पर अपनी पकड़ बनाए रखी। इसके विपरीत शीर्ष 10 में शामिल अन्य छह कंपनियों आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), टाटा कंसल्टेंसी

सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में कुल 49,294.13 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। इनमें हिंदुस्तान यूनिलीवर को सर्वाधिक 12,088.65 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जबकि एलएंडटी का मूल्यांकन 11,040.23 करोड़ रुपये घट गया। इस अवधि में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 194.52 अंक (0.25 प्रतिशत) और एनएसई का निफ्टी 63.95 अंक (0.26 प्रतिशत) की मामूली गिरावट के साथ बंद हुए थे। शीर्ष 10 कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम है, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई का स्थान रहा। यह आंकड़े बाजार में चुनिंदा बड़े खिलाड़ियों की मजबूती और निवेशकों के बदलते रुझान को दर्शाते हैं।

खाद्य तेलों में आया उछाल: विदेशी बाजारों की तेजी और घरेलू आवक में कमी बनी वजह

नई दिल्ली । बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सभी प्रमुख तेल-तिलहनों के दामों में मजबूती दर्ज की गई। वैश्विक बाजारों में तेजी का रुख, घरेलू मंडियों में आवक में कमी, रुपये की कमजोरी और बढ़ती औद्योगिक मांग जैसे कई कारकों ने मिलकर सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन तथा बिनौला तेल की कीमतों को ऊपर धकेला। बाजार जानकारों के अनुसार वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख का असर सीधे घरेलू कीमतों पर दिखा। इसके साथ ही, भारतीय रुपये के कमजोर होने से आयातित खाद्य तेलों की लागत बढ़ी। महत्वपूर्ण बात यह है कि आयातकों को होने वाला घाटा पहले के 3-4 प्रतिशत से घटकर अब 1-1.5 प्रतिशत रह गया है, जिससे आयातित तेलों के दाम में सुधार आया। घरेलू मोर्चे पर किसानों ने बेहतर मूल्य की उम्मीद में बाजार में अपनी उपज की आवक कम कर दी है। महाराष्ट्र के लातूर में सोयाबीन प्लांटों ने तो किसानों को आकर्षित करने के लिए खरीद मूल्य बढ़ाकर 7,750 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है, जिससे स्टॉक की होल्डिंग बढ़ रही है। सोयाबीन रिफाइंड, पाम-पामोलीन और मूंगफली जैसे तेलों की औद्योगिक मांग में भी वृद्धि देखी गई। सूरजमुखी तेल के महंगा होने और बिनौला तेल की कम उपलब्धता के कारण मूंगफली तेल की मांग में विशेष उछाल आया, जिससे इसके दाम भी मजबूत हुए। कम आवक के कारण सरसों और बिनौला तेल की कीमतों में भी तेजी रही। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 200 रुपये के सुधार के साथ 7,725-7,750 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 375 रुपये के सुधार के साथ 15,900 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 50-55 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,615-2,715 रुपये और 2,615-2,765 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 175-175 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 7,175-7,225 रुपये और 7,025-7,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,550 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 15,300 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 75 रुपये के सुधार के साथ 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सेल और इंडोनेशियन क्राकाटाउ स्टील स्टेनलेस स्टील जेवी पर सहमत

- 5-10 लाख टन क्षमता की परियोजना की संभावना, इंडोनेशिया के निकल भंडार का मिलेगा लाभ

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और इंडोनेशिया की पीटी क्राकाटाउ स्टील ने एक संयुक्त उद्यम (जेवी) स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का लक्ष्य इंडोनेशिया में 5 लाख से 10 लाख टन क्षमता की स्टेनलेस स्टील परियोजना की संभावनाओं को तलाशना है। यह प्रस्तावित जेवी स्टेनलेस स्टील स्लैब के विनिर्माण पर केंद्रित होगा। सूत्रों के अनुसार उत्पादन इंडोनेशिया में होगा, जहां दुनिया के सबसे बड़े निकल भंडार और सस्ती लागत का लाभ उठाया जा सकेगा। उत्पादित स्लैब की आपूर्ति सेल के आंध्र प्रदेश स्थित सलेम स्टील प्लांट को की जाएगी। सेल के एक अे धिकारी ने बुनियादी ढांचे और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में स्टेनलेस स्टील की बढ़ती मांग का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ऐसे में विश्वसनीय कच्चे माल की उपलब्धता और रणनीतिक साझेदारियां अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं। यह कदम भारत की बढ़ती स्टेनलेस स्टील की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक होगा।

दिल्ली की ईवी नीति: दोपहिया बाजार के लिए बड़ी चुनौती, क्रिसिल का आकलन

- अप्रैल 2028 से पारंपरिक दोपहिया वाहनों के नए पंजीकरण पर रोक का प्रस्ताव

नई दिल्ली ।

दिल्ली सरकार की हालिया घोषित इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति का मसौदा, जिसमें अप्रैल 2028 से पारंपरिक इंजन वाले दोपहिया वाहनों के नए पंजीकरण पर रोक लगाने का प्रस्ताव है, दोपहिया वाहन बाजार के लिए सबसे बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल रेटिंग्स ने यह आकलन किया है। वित्त वर्ष 2025-26 में दिल्ली में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी महज 7.3 प्रतिशत रही है, जो इस बड़े बदलाव को जटिल बना रहा है। क्रिसिल रेटिंग्स की एक अे धिकारी ने बताया कि अप्रैल 2028 से केवल इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के पंजीकरण की अनिवार्यता उद्योग को इलेक्ट्रिक उत्पादों, उत्पादन क्षमता और वितरण नेटवर्क में निवेश तेज करने का स्पष्ट संकेत देती है। हालांकि, निकट भविष्य में आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) वाले मॉडल भी बाजार में प्रासंगिक बने रहेंगे। वित्त वर्ष 2025-26 में दिल्ली में 5.7 लाख दोपहिया वाहनों का पंजीकरण हुआ था, जिनमें ईवी की हिस्सेदारी बेहद कम थी। नीति के तहत पहले वर्ष इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर 30,000 रुपये तक का प्रोत्साहन देने का प्रस्ताव है, जिसे अगले दो साल में धीरे-धीरे कम किया जाएगा। जैसे-जैसे वित्तीय सहायता घटेगी, इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमत और स्वामित्व का कुल खर्च उपभोक्ताओं के निर्णय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। निजी यात्री कारों के मामले में बदलाव अपेक्षाकृत धीमा रहने की संभावना है। नीति के मसौदे में निजी कारों के लिए केवल इलेक्ट्रिक वाहनों का अनिवार्य पंजीकरण नहीं किया गया है, बल्कि 30 लाख रुपये तक की शोरूम कीमत वाले ईवी पर पथकर और पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत छूट जैसे प्रोत्साहनों के माध्यम से खरीद को बढ़ावा देने का प्रयास है। क्रिसिल के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में दिल्ली में पंजीकृत लगभग दो लाख चारपहिया वाहनों में से 39 प्रतिशत (लगभग 77,000) इलेक्ट्रिक वाहन थे।

अमेरिकी आयात शुल्क प्रस्ताव पर भारत सख्त, जबरन श्रम के आरोपों को बताया निराधार

वाणिज्य मंत्रालय ने एकतरफा कार्रवाई की बजाय बातचीत पर जोर दिया

नई दिल्ली । भारत ने अमेरिका द्वारा प्रस्तावित 12.5 प्रतिशत के अतिरिक्त आयात शुल्क (टैरिफ) पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। अमेरिका ने कुछ देशों पर बंधुआ या जबरन श्रम से जुड़े उत्पादों के आयात पर रोक न लगाने का आरोप लगाया है, जिस पर भारत ने अपनी आपत्ति जताई। वाणिज्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि व्यापार से जुड़े किसी भी विवाद को एकतरफा कार्रवाई के बजाय आपसी बातचीत के जरिए सुलझाया जाना चाहिए। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) की जनसुनवाई में हिस्सा लेते हुए वाणिज्य विभाग के संयुक्त सचिव बृज मोहन मिश्रा ने इस प्रस्ताव पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने अमेरिका से धारा 301 के तहत की गई अपनी जांच और अतिरिक्त टैक्स लगाने के फैसले पर दोबारा विचार करने का आग्रह किया। भारत ने अमेरिकी दावों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि जबरन श्रम को खत्म करना भारत का एक संवैधानिक कर्तव्य है और देश अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पूरी तरह पालन करता है। भारत ने यूएसटीआर की जांच रिपोर्ट के तौर-तरीकों पर भी सवाल उठाए। संयुक्त सचिव मिश्रा ने कहा कि यह रिपोर्ट व्यापार अधिनियम की धारा 301(डी) के तहत आवश्यक कानूनी मानकों को पूरा नहीं करती। केवल कुछ चुनिंदा अर्थव्यवस्थाओं के केस स्टडीज और सामान्य व्यापारिक आंकड़ों के आधार पर यह मान लेना कि भारत में जबरन श्रम से जुड़ी चीजों के आयात पर प्रतिबंध नहीं है, पूरी तरह गलत है। रिपोर्ट में कुल 46 अर्थव्यवस्थाओं को बिना किसी पुख्ता सबूत के एक ही श्रेणी में डाल दिया गया है और ऐसा कोई जमीनी जुड़ाव या पक्का सबूत नहीं दिखाया गया है कि भारत की नीतियों से अमेरिकी उद्योगों को नुकसान हो रहा है। इस सुनवाई में भारतीय दूतावास के प्रथम सचिव श्रेयंस गुप्ता ने एपेडा की तरफ से भारतीय चावल को इस अतिरिक्त टैक्स से बाहर रखने की मांग की। अमेरिकी रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि भारत में कथित तौर पर जबरन आने वाले चावल के आयात से अमेरिकी बाजार प्रभावित हो रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत में चावल निर्यात के लिए कड़े नियम और पंजीकृत मिलें हैं, और इस आधार पर अमेरिकी जांच को तुरंत रद्द करने या भारतीय चावल को इससे पूरी तरह बाहर रखने की मांग की गई है।

बदल रहा एफएमसीजी सेक्टर का वर्कफोर्स- कहीं छंटनी, कहीं विस्तार

एचयूएल-डाबर ने घटाए स्थायी कर्मचारी, नेस्ले-मैरिको-टीसीपीएल ने किया विस्तार

नई दिल्ली ।

बीते वित्त वर्ष 2025-26 में देश की प्रमुख रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनियों में कर्मचारियों की संख्या और वेतन वृद्धि को लेकर मिला-जुला रुख रहा। वार्षिक रिपोर्टों से पता चला है कि जहां कुछ कंपनियों ने अपने कार्यबल में कटौती की, वहीं कुछ ने विस्तार किया, साथ ही कर्मचारियों के औसत वेतन में वृद्धि भी कंपनी-दर-कंपनी उल्लेखनीय रूप से भिन्न रही।

हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) और डाबर इंडिया ने अपने स्थायी कर्मचारियों की संख्या में उल्लेखनीय कमी दर्ज की। एचयूएल ने 700 से अधिक कर्मचारी घटाकर इसे 5,898 कर दिया, जबकि डाबर के स्थायी कर्मचारी 5,343 से घटकर 4,770 रह गए। वेतन वृद्धि की बात करें तो, एचयूएल में औसतन 6.08 प्रतिशत की सबसे कम वृद्धि हुई, वहीं डाबर ने 7.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी की। इसके विपरीत, नेस्ले इंडिया, मैरिको और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) ने अपने कार्यबल का विस्तार किया। टीसीपीएल ने कर्मचारियों की संख्या 4,079 से बढ़ाकर 4,558 की और 12.1 प्रतिशत की सर्वाधिक वेतन वृद्धि दी। मैरिको ने भी स्थायी कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई, जबकि नेस्ले इंडिया में कुल कर्मचारी मामूली बढ़े और वेतन में 7.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। विशेषज्ञों के अनुसार, कर्मचारियों की संख्या में कटौती का मुख्य कारण विनिर्माण, आपूर्ति श्रृंखला और बैक-ऑफिस संचालन में बढ़ते स्वचालन (ऑटोमेशन) और कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित उपकरणों का उपयोग है, जिससे कंपनियां कम कर्मचारियों के साथ अधिक दक्षता से कार्य कर पा रही हैं।

फेडुन फार्मा ने दिए निवेशकों को 2:1 बोनस शेयर और बंपर नतीजे

- रिकॉर्ड डेट 16 जुलाई तय, कंपनी का तिमाही मुनाफा 56 फीसदी उछला

मुंबई। दवा बनाने वाली प्रतिष्ठित कंपनी फेडुन फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने अपने निवेशकों को एक बड़ा तोहफा देते हुए 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की घोषणा की है। यह फैसला कंपनी के बेहतरीन वित्तीय प्रदर्शन और मुनाफे में जबरदस्त बढ़ोतरी के बाद लिया गया है, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल है। कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने बीते 25 मई को हुई बैठक में इस बोनस शेयर इश्यू की सिफारिश की थी। इसके लिए रिकॉर्ड डेट और एक्स डेट 16 जुलाई तय की गई है। इस घोषणा के तहत, रिकॉर्ड डेट तक जिस भी निवेशक के पास कंपनी का एक पुराना इक्विटी शेयर होगा, उसे 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले दो नए बोनस शेयर मुफ्त में मिलेंगे।

यह सुविधा शेयरधारकों के साथ-साथ वारंट होल्डर्स पर भी लागू होगी, बशर्ते उन्हें शेयरधारकों की अंतिम मंजूरी मिल जाए। बोनस शेयर के ऐलान से पहले, कंपनी ने बीती तिमाही में शानदार वित्तीय नतीजे दर्ज किए हैं। सालाना आधार पर कंपनी का मुनाफा 56 प्रतिशत बढ़कर 11 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। वहीं, कुल आमदनी 27 फीसदी बढ़कर 213 करोड़ रुपये रही। इस सफलता के बाद, कंपनी ने निवेशकों को बोनस शेयर के अलावा 0.70 रुपये प्रति शेयर के लाभांश (डिविडेंड) की भी घोषणा की है, जिससे निवेशकों की खुशी दोगुनी हो गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए सौरव गांगुली और अंजुम चोपड़ा

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गजों पूर्व पुरुष कप्तान सौरव गांगुली और पूर्व महिला कप्तान अंजुम चोपड़ा को प्रतिष्ठित आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है। इनके साथ इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को भी इस सम्मान से नवाजा गया। यह घोषणा शनिवार को स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में आयोजित एक भव्य समारोह में की गई।

आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि ये सम्मान उन खिलाड़ियों को दिया जाता है जिन्होंने अपने प्रदर्शन और योगदान से क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा, 'सौरव गांगुली, अंजुम चोपड़ा और केविन पीटरसन ने अपने-अपने देशों का शानदार नेतृत्व किया है। आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होकर उनकी उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेंगी।'

क्रिकेट जगत का बड़ा सम्मानः भारत के लिए गर्व का पल

आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने पर सौरव गांगुली ने खुशी जताते हुए कहा कि यह उनके क्रिकेट करियर के सबसे खास पलों में से एक है। गांगुली ने कहा, 'आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। क्रिकेट के महान खिलाड़ियों के बीच अपना नाम देखना हमेशा मेरे लिए गर्व का विषय रहेगा। भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सौभाग्य रहा है और अब इस तरह सम्मानित होना बेहद विशेष अनुभव है।' उन्होंने आईसीसी चेयरमैन जय शाह का आभार जताते हुए कहा कि यह किसी भी क्रिकेटर के लिए सर्वोच्च सम्मान है। साथ ही उन्होंने भविष्य में भी क्रिकेट की सेवा करते रहने की इच्छा व्यक्त की।

भारतीय क्रिकेट को नई दिशा देने वाले कप्तान

सौरव गांगुली ने ऐसे समय भारतीय टीम की कमान संभाली थी जब मैच फिक्सिंग विवाद के कारण भारतीय क्रिकेट कठिन दौर से गुजर रहा था। उनकी आक्रामक कप्तानी और युवा खिलाड़ियों पर भरोसे ने टीम इंडिया को नई पहचान दिलाई। अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में गांगुली ने लगभग 15 वर्षों में 18,575 रन बनाए और बाद में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष भी रहे।

अंजुम चोपड़ा ने जताई खुशी

पूर्व भारतीय महिला कप्तान और मौजूदा क्रिकेट कमेंटेटर अंजुम चोपड़ा ने कहा कि बचपन से ही उनका सपना भारत के लिए खेलने का था और आज क्रिकेट के महान खिलाड़ियों के बीच सम्मानित होना उनके लिए बेहद गर्व की बात है।उन्होंने कहा, 'भारत की जर्सी पहनना मेरे लिए हमेशा गर्व का विषय रहा। आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना उन सभी लोगों के प्रयासों का सम्मान है जिन्होंने मेरे करियर को आकार देने में योगदान दिया। मैं उन सभी की आभारी हूं।'अंजुम चोपड़ा ने भारत के लिए 12 टेस्ट, 127 वनडे और 14 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। वह महिला वनडे क्रिकेट में 1000 रन पूरे करने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर भी बनी थीं।

अर्जेंटीना छठी बार सेमीफाइनल में

स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया, एक्स्ट्रा टाइम में 2 गोल दागे, अब इंग्लैंड से मुकाबला

कैंसस, एजेंसी। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उसने आखिरी क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया। लियोनेल मेसी की टीम छठी बार वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंची है।कंसास सिटी स्टेडियम में अर्जेंटीना ने 10वें मिनट में बढ़त ले ली। मैक एलिस्टर ने मेसी के पास पर गोल किया। 67वें मिनट में डैन एनड्योॅय ने गोल कर स्विट्जरलैंड को 1-1 की बराबरी दिला दी। निर्धारित 90 मिनट तक यही स्कोर रहा। इंजरी टाइम में कोई गोल नहीं हुआ।मैच एक्स्ट्रा टाइम में गया। इसमें जूलियन अल्वारेज ने 112वें और एमी मार्टिनेज ने 121वें मिनट में गोल कर अर्जेंटीना को लगातार दूसरे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। अब 15 जुलाई को उसका मुकाबला इंग्लैंड से होगा।

अर्जेंटीना वर्ल्ड कप इतिहास की पहली टीम बन गई, जिसने एक ही वर्ल्ड कप में दो अलग-अलग मैचों के एक्स्ट्रा टाइम के एक ही हाफ में दो-दो गोल किए। उसने राउंड ऑफ 32 मैच में केप वर्डे के खिलाफ एक्स्ट्रा टाइम में डबल गोल किए थे।

अर्जेंटीना ने वर्ल्ड कप में लगातार 15वें मैच में गोल किया। इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे लंबी गोल करने की श्रृंखला केवल उरुग्वे (16 मैच, 1930-1962), हंगरी (17 मैच, 1934-1962), जर्मनी (18 मैच, 1934-1958 और 1986-1998) और ब्राजील (18 मैच, 1930-1958) के नाम दर्ज है।

स्विट्जरलैंड की लंबी बढ़त का सिलसिला टूट गया। टीम वर्ल्ड कप क्वालिफायर और 2026 वर्ल्ड कप मैचों 17 घंटे 10 मिनट (1,030 मिनट) तक किसी भी मैच में पीछे नहीं हुई थी। अर्जेंटीना के मैक एलिस्टर के गोल ने टीम को 0-1 से पीछे कर दिया।

90 मिनट तक स्कोर बराबर, इंजरी टाइम गोल रहित रहा

मैच के निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। रेफरी ने 8 मिनट का इंजरी टाइम दिया, लेकिन इसमें भी गोल नहीं आया। इंजरी टाइम के 8वें मिनट में स्विट्जरलैंड के गोलकीपर ग्रेगर कोबेल ने शानदार सेव किया। कोबेल ने कॉर्नर से लिसेंड्रो मार्टिनेज की किक को रोकने के लिए शानदार डाइव लगाई। उन्होंने गेंद को बहुत देर से देखा था। 72वें मिनट में स्विट्जरलैंड के फॉरवर्ड ब्रील एम्बोलो को मैदान से बाहर भेज दिया गया। वीडियो रीव्यू से पता चला कि उन्होंने ऐसा दिखाने की कोशिश की थी कि वे किसी टैकलिंग की वजह से गिरे, जबकि ऐसा कुछ नहीं हुआ। हाफ टाइम के बाद स्विस टीम ने डैन एनड्योॅय के गोल के दम पर बराबरी हासिल कर ली। टीम ने गोल करने के कई प्रयास किए। आखिरकार, रेड जर्सी की मेहनत रंग लाई। 67वें मिनट में डैन एनड्योॅय बाई ओर से तेजी से आगे बढ़े और रिकार्डो रोड्रिग्ज के साथ पास का आदान-प्रदान किया और एमिलियानो मार्टिनेज को पछाड़ते हुए बेहद कंट्रोल गोल किया। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने मैच की शुरुआत में ही 1-0 की बढ़त ले ली। 10वें मिनट में एलिस मैक एलिस्टर ने लियोनेल मेसी के शानदार पास पर गोल दागा। अर्जेंटीना ने मौजूदा एडीशन में अपना सबसे तेज गोल किया है। मेसी ने पेनल्टी कॉर्नर पर पास दिया था। इस पर एलिस्टर ने हेडर लगाकर गोल दागा। मेसी ने 10वां गोल असिस्ट किया है, जबकि एलिस्टर ने लगातार दूसरे वर्ल्ड कप एडीशन में गोल स्कोर किया है। उन्होंने 2022 में पोलैंड के खिलाफ ग्रुप मैच में गोल किया था।

इंग्लैंड 8 साल बाद सेमीफाइनल में पहुंचा

● नॉर्वे का सफर समाप्त, हालैंड नहीं कर पाए गोल

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में को इंग्लैंड ने नॉर्वे को हराकर 8 साल बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। जूड बेलिंगहैम ने एक्स्ट्रा टाइम के तीसरे मिनट में गोल करके इंग्लैंड को नॉर्वे पर 2-1 से जीत दिलाई। इससे पहले इंग्लैंड 2018 सेमीफाइनल में पहुंचा था। इंग्लैंड के लिए दोनों गोल बेलिंगहैम ने किए। उन्होंने पहले हाफ के आखिर में पहला गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

रियल मैड्रिड के स्टार के इस फुटबॉल वर्ल्ड कप में साथी खिलाड़ी हैरी केन के बराबर छह गोल हो गए हैं। वह फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी के 8-8 गोल से पीछे हैं। बेलिंगहैम ने राउंड ऑफ 16 में 2 गोल किए थे, जिससे इंग्लैंड ने सह-मेजबान मेक्सिको को हराया था। 1966 वर्ल्ड कप का जीतने वाले इंग्लैंड का सेमीफाइनल में अर्जेंटीना या स्विट्जरलैंड से सामना होगा।

एंड्रियास श्जेल्डरुप ने 36वें मिनट में नॉर्वे के लिए गोल किया। 6 फुट 5 इंच के स्ट्राइकर एरलिंग हालैंड की करिश्माई प्रदर्शन के दमपर नॉर्वे की टीम पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची और दुनिया को हैरान कर दिया। मैनचेस्टर सिटी के स्टार खिलाड़ी हालैंड ने इस टूर्नामेंट में सात गोल किए थे। क्वार्टर फाइनल में पहली बार ऐसा हुआ कि वह वर्ल्ड कप में गोल नहीं कर पाए। एक्स्ट्रा टाइम के दूसरे हाफ में जॉर्जन स्ट्रैंड लार्सन ने उनकी जगह ली। नॉर्वे 56वें मिनट में लगभग 2-1 से आगे हो गया था जब कॉर्नर किक के बाद टोरब्योर्न हेगेम ने गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड को छकाते हुए रिबाउंड शॉट लगाकर गोल किया। वीडियो रिव्यू के बाद बॉक्स में हालैंड के फाउल के कारण गोल को नामंजूर कर दिया गया।

अर्जेंटीना के पूर्व कप्तान का हुआ निधन, फुटबॉल जगत में शोक

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर और पूर्व कप्तान एंटोनियो उबाल्डो रैटीन का 89 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से अर्जेंटीना और विश्व फुटबॉल जगत में शोक की लहर है। रैटीन की गिनती देश के सबसे बेहतरीन मिडफील्डरों और कप्तानों में की जाती थी। उन्होंने 1959 से 1969 तक अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व किया और 1962 तथा 1966 के फीफा विश्व कप में भी हिस्सा लिया। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) ने उनके निधन पर गहरा दुख जताया है। एएफए ने एक बयान में कहा, अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन अपने अध्यक्ष क्लाउडियो तापिया के जरिए एंटोनियो उबाल्डो रैटीन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है। वे अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के इतिहास के सबसे बड़े प्रतीकों में से एक और अर्जेंटीना फुटबॉल के आइकन थे, जिनका 89 साल की उम्र में निधन हो गया। रैटीन 1966 में इंग्लैंड में हुए विश्व कप में अर्जेंटीना के कप्तान थे और एक ऐसी घटना के मुख्य पात्र थे जो हमेशा के लिए विश्व फुटबॉल की यादों में बस गई।

विश्वकप के बीच बुरी खबर, अफ्रीका के एडम्स का निधन

जोहानिसबर्ग। फीफा विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करने वाले मिडफील्डर जेडन एडम्स का 25 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की पुष्टि शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खेल, कला एवं संस्कृति मंत्री गेटन मैकेंजी ने की। एडम्स मौजूदा फीफा विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम में शामिल थे। एडम्स ने दक्षिण अफ्रीका को पहली बार विश्व कप के नॉकआउट चरण में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। उनके निधन के कारण का अभी खुलासा नहीं हुआ हैमैकेंजी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, गहरे सदमे और भारी मन से मुझे यह जानकारी मिली कि मामेलोडी सनडाउन्स और बाफाना बाफाना के मिडफील्डर जेडन एडम्स का 25 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। दक्षिण अफ्रीकी फुटबॉल ने अपने सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में से एक को खो दिया है और पूरा देश उनके परिवार, साथियों तथा लाखों प्रशंसकों के साथ शोक में डूबा है। जेडन की मौत के कारण की अभी पुष्टि नहीं हुई है। मैं मीडिया और आम जनता से अपील करता हूं कि वे संयम और संवेदनशीलता बरतें तथा किसी भी तरह की अटकलों से बचें।

इन पांच कारणों के चलते भारतीय टीम को मिली हार

1600 दिन की बादशाहत खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। आयरलैंड के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में भी भारतीय टीम को एक जीत तक नसीब नहीं हो सकी। पांचवें टी20 में इंग्लैंड ने 56 रनों से जीत दर्ज करने के साथ ही मेजबान टीम ने सीरीज को 4-0 से अपने नाम कर लिया। टी20 विश्व कप की चैंपियन भारतीय टीम ने कप्तानी में बदलाव किया था और सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तानी सौंपी थी। लेकिन श्रेयस कप्तान के तौर पर अब तक विफल रहे हैं और शुरुआती सात मैचों में एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाए हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में मिली हार के साथ ही भारतीय टीम की फरवरी 2022 से चली आ रही टी20 क्रिकेट की नंबर-1 बादशाहत भी समाप्त हो गई। इंग्लैंड ने सीरीज 4-0 से अपने नाम करते हुए आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया, जबकि भारत दूसरे स्थान पर खिसक गया।

इस हार का असर सिर्फ मैच या सीरीज तक सीमित नहीं रहा। आयरलैंड के खिलाफ 0-2 और इंग्लैंड के खिलाफ 0-4 की हार के बाद भारत आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान गंवा बैठा। भारतीय टीम करीब 1600 दिनों तक दुनिया की नंबर-1 टी20 टीम रही, लेकिन अब यह स्थान इंग्लैंड ने अपने नाम कर लिया। इंग्लिश टीम ने शानदार प्रदर्शन के दम पर न सिर्फ सीरीज में क्लीन स्वीप किया, बल्कि टी20 क्रिकेट में नई नंबर-1 टीम बनने का गौरव भी हासिल कर लिया।

वैभव को बाहर करना नहीं आया काम

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी20 मैच में भारतीय क्रिकेट टीम ने एक ऐसा हैरान करने वाला फैसला लिया था। इस मुकाबले में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी को सिर्फ तीन मैच खिलाने के बाद प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया। उनकी जगह अनुभवी खिलाड़ी संजू सैमसन की एकादश में वापसी हुई, जिन्हें पहले सूर्यवंशी के लिए ही टीम से ड्रॉप किया गया था। सूर्यवंशी ने ब्रिटेन दौरे के भारत दौरे पर सात में से तीन मैच खेले और इंग्लैंड के खिलाफ अपनी तीन छोटी पारियों में कुल 42 रन बनाए। तेज स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करने के बावजूद, वैभव अपनी तीन पारियों में इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों की गेंदों से मिलने वाले अतिरिक्त उछाल का सामना नहीं कर पाए। सैमसन को वैभव की जगह पांचवें टी20 मैच में मौका दिया गया, लेकिन उनका बल्ला इस मैच में भी नहीं चला। सैमसन 14 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 27 रन बनाकर आउट हुए।

इस वजह से करना पड़ा हार का सामना

1. **शीर्ष क्रम की नाकामी:** इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम का शीर्ष क्रम बुरी तरह से फेल रहा। अभिषेक शर्मा ने शुरुआती दो टी20 में रन बनाए, लेकिन अगले तीन मुकाबलों में उनका बल्ला खामोश रहा। संजू सैमसन रनों के लिए संघर्ष करते नजर आए, तो वैभव सूर्यवंशी इस सीरीज में मिले तीन मौकों को भुनाने में पूरी तरह से नाकाम रहे। शीर्ष क्रम की नाकामी का असर मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर साफतौर पर नजर आया।
2. **खोखला नजर आया मध्य क्रम:** टीम इंडिया का मध्य क्रम इस टी20 सीरीज में पूरी तरह से खोखला नजर आया। ईशान किशन सीरीज के आखिरी टी20 मैच को छोड़कर बाकी चार मुकाबलों में रनों के लिए जूझते दिखाई दिए। यही हाल तिलक वर्मा का रहा। खुद कप्तान श्रेयस अय्यर भी अपने नाम के अनुरूप निरंतरता के साथ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके।
3. **लगातार बल्लेबाजी क्रम से छेड़छाड़ पड़ी भारी:** इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम को बल्लेबाजी क्रम से लगातार छेड़छाड़ करना महंगा पड़ा। तिलक वर्मा और शिवम दुबे के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किया गया। तीसरे टी20 में तो तिलक और शिवम से ऊपर बल्लेबाजी के लिए अक्षर पटेल तक को भेजा गया। अक्षर पटेल की भी एक स्थान पक्का नजर नहीं आया।
4. **तेज गेंदबाज रहे विफल:** इंग्लैंड की मददगार परिस्थितियों में भारतीय तेज गेंदबाज बुरी तरह से फ्लॉप रहे। भारत के मुख्य तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पांच मुकाबलों में सिर्फ चार विकेट ही निकाल सके और उनकी इकोनॉमी 9.47 की रही। ऐसा ही कुछ हाल हर्षित राणा का भी रहा, जिन्होंने 10 की इकोनॉमी से रन देने के बाद महज तीन विकेट निकाले। प्रसिद्ध कृष्णा सिर्फ एक ही विकेट चटका सके और उनकी इकोनॉमी भी 9 के ऊपर की रही। युवा गेंदबाज प्रिंस यादव ने भी 10.72 की इकोनॉमी से रन खर्च किए। इंग्लैंड में भारत को जसप्रीत बुमराह की कमी साफतौर पर खली। प्रिंस यादव के लिए तो टी20 अंतरराष्ट्रीय में करियर की शुरुआत ही बेहद निराशाजनक रही है। वह अंबाती रायुडू के बाद दूसरे ऐसे भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपने शुरुआती चारों टी20 मैच गंवाए हैं। प्रिंस को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में डेब्यू का मौका मिला था।
5. **अय्यर की खराब कप्तानी:** श्रेयस अय्यर की कप्तानी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में बेहद साधारण नजर आई। गेंदबाजों के फेरबदल के साथ-साथ फील्डिंग सेटअप में अय्यर बुरी तरह फेल नजर आए। कप्तानी का दबाव उनकी बल्लेबाजी पर भी कुछ हद तक दिखाई दिया। इसके साथ ही वह हेड कोच गौतम गंभीर संग मिलकर सही टीम संयोजन उतारने में भी नाकाम रहे। अय्यर की कप्तानी पर भी लगातार सवाल खड़े होते रहे हैं। अय्यर पहले ऐसे भारतीय कप्तान हैं जिन्होंने शुरुआती सात टी20 मुकाबले गंवाए हैं।

क्या बीसीसीआई लेगा कड़ा फैसला?

गौतम गंभीर जब से भारतीय टीम के मुख्य कोच बने हैं, तभी से टीम का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा है। भारत ने गंभीर के नेतृत्व में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और टी20 विश्व कप 2026 का खिताब अपने नाम किया था। लेकिन टेस्ट प्रारूप में उसका प्रदर्शन निरंतर खराब रहा है। भारत को न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घर में टेस्ट सीरीज में हार मिली थी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी भी भारत ने गंवा दी थी। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराने में सफल रही। अब तक सीमित ओवर में भारत का दबदबा नजर आ रहा था, लेकिन पहले आयरलैंड और अब इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में मिली हार ने टी20 टीम में भी कमियों को उजागर करके रख दिया है। आने वाले दिनों में भारत को जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है और फिर सितंबर-अक्तूबर में एशियाई खेलों में भी उतरना है। जिस हिसाब से टीम खेल रहे हैं, उसके लिए आने वाले दिन काफी चुनौतीपूर्ण रहने वाले हैं। हाल ही में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा था कि हम सीरीज खत्म होने के बाद भारतीय टीम के प्रदर्शन की समीक्षा करेंगे। यह भी खबर है कि टीम के फील्डिंग कोच टी. दिलीप को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है और उनके कार्यकाल को विस्तार नहीं दिया जाएगा। जाहिर है कि गंभीर और श्रेयस भी बोर्ड के रडार पर होंगे। अब देखना दिलचस्प होगा कि लगातार दो हार के बाद क्या बीसीसीआई कोई कड़ा फैसला लेगा या इसी कोचिंग स्टाफ और टीम को वापसी के लिए थोड़ा और समय देगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

श्री हनुमानजी को खुश करने के शुभ उपाय

हनुमानजी की पूजा मंगलवार, त्रयोदशी, चतुर्दशी और खास दिनों होती है। हिन्दू धर्म के सबसे जाग्रत और सर्वशक्तिशाली देवताओं में एकमत्र हनुमानजी की कृपा जिस पर बरसरना शुरू होती है उसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता। दस दिशाओं और चारों युग में उनका प्रताप है। आओ जानते हैं कि उन्हें किस तरह प्रसन्न किया जा सकता है।

- हनुमान चालीसा : प्रतिदिन हनुमान चालीसा पढें। वह भी एक ही जगह बैठकर।
- तीन कोनों वाला दीपक : प्रतिदिन हनुमानजी के समक्ष तीन कोनों वाला दीपक जलाएं। दीपक में चमेली का तेल हो।
- चौला चढ़ाएं : जब भी इच्छा हो हनुमानजी को चौला चढ़ाएं। इसमें जनेऊ, लंगोट, सिंदूर, तुलसी की माला, ध्वज, चमेली का तेल, लाल फूल आदि सामग्री होती है।
- हनुमानजी का जाप करें : ऊँ श्री हनुमंते नमः का प्रतिदिन 108 बार जाप करें या साबरमंत्र को सिद्ध करें।
- श्रीराम का जाप करें : प्रतिदिन श्रीराम जी के नाम का विधिवत जाप करें।
- सुंदरकाण्ड पढ़ें : माह में एक बार सुंदरकांड और बजरंगबाण का पाठ करें।
- भोग लगाएं : हनुमानजी को मंगलवार, शनिवार या हनुमान जयंती पर पंच मेवा, केसरिया बूंदी लड्डू, इमरती, बेसन के लड्डू, चूरमा, रोठ, मालपुआ या मलाई-मिश्री के लड्डू का भोग लगाएं।
- हनुमान पूजा : प्रत्येक मंगलवार को व्रत रखकर विधिवत रूप से हनुमानजी की पूजा करें। यदि आप घोर संकट से घिरे हैं या आप हनुमानजी की पूर्ण भक्ति करना चाहते हैं तो फिर आपको मांस, मदिरा और सभी तरह का व्यवसन त्याग कर ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए प्रतिदिन विधि-विधान से हनुमानजी की पूजा या उनके मंत्र या नाम का जप करना चाहिए। हनुमानजी के साथ ही भगवान राम, लक्ष्मण और जानकी माता की भी पूजा अच्छे से करें।
- पान का बीड़ा : अपने सुनी होगी एक प्रचलित लोकोक्ति 'बीड़ा उठाना'। इसका अर्थ होता है- कोई महत्वपूर्ण या जोखिमभरा काम करने का उत्तरदायित्व अपने ऊपर लेना। यदि आपके जीवन में कोई घोर संकट है या ऐसा काम है जिसे करना आपके बस का नहीं है, तो आप अपनी जिम्मेदारी हनुमानजी को सौंप दें। इसके लिए आप मंगलवार के दिन किसी मंदिर में पूजा-पाठ करने के बाद उन्हें पान का बीड़ा अर्पित करें। रसीला बनारसी पान चढ़ाकर मांग लीजिए मनचाहा वरदान।
- गुड़-चने का प्रसाद : हनुमानजी को गुड़ और चने का प्रसाद तो अक्सर चढ़ाया ही जाता है। यह मंगल का उपाय भी है। इससे मंगल दोष मिटता है। यदि आप कुछ भी चढ़ाने की क्षमता नहीं रखते या किसी और कारण से चढ़ा नहीं पाते हैं तो सिर्फ गुड़ और चना ही चढ़ाकर हनुमानजी को प्रसन्न कर सकते हैं। हर मंगलवार और शनिवार को हनुमानजी को गुड़ और चने का भोग लगाएं। इससे आपकी सभी परेशानियां दूर हो जाएंगी। हालांकि आजकल गुड़ की जगह चिरौंजी ज्यादा मिलती है लेकिन चने के साथ गुड़ का ही संयोग होता है।

छोटी-छोटी काली चींटियां किस्मत के बड़े बड़े दरवाजे खोल देती हैं

हर घर में कई बार थोड़ी-बहुत चींटियां दिखाई पड़ती हैं। कुछ लाल तो कुछ काली नजर आती ही है। ये चींटियां खासकर खाने के सामान के इर्द-गिर्द अधिक दिखाई पड़ती हैं। आपको बता दें कि घर में लाल चींटी और काली चींटी अलग-अलग बातों का संकेत देती हैं। आज हम आपके लिए लेकर आए हैं कुछ खास जानकारी, जिसमें आप जानेंगे कि छोटी-छोटी दिखाई देने वाली काली चींटियां कैसे आपकी किस्मत के बड़े-बड़े दरवाजे खोल सकती हैं।

- अगर आपके घर में काली चींटियां आ रही हैं तो सुख और ऐश्वर्य वाला समय आने के संकेत देती हैं।
- काली चींटियों को शकर या आटा खिलाना शुभ होता है। इससे पितृ देव प्रसन्न होते हैं।
- अगर चावल के भरे बर्तन से चींटियां निकल रही हैं तो यह शुभ संकेत है। कुछ ही दिनों में धन वृद्धि हो सकती है। यह आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होने का संकेत है।
- वास्तु की मानें तो काली चीटियों में भगवान श्रीहरि विष्णु का वास माना जाता है। अतः घर में काली चींटियां निकलना एक तरह जीवन में खुशहाली तथा सुख-समृद्धि बढ़ने का संकेत माना जाता है।
- पूर्व दिशा से चींटियां आ रही हैं तो सकारात्मक सूचना आपके घर आ सकती है।
- पश्चिम दिशा से चींटियां आ रही हैं तो यात्रा के योग बन सकते हैं।
- काली चींटियां उत्तर दिशा से आती हैं तो धन के लिहाज से शुभ संकेत होते हैं।
- दक्षिण दिशा से आ रही हों तो मंगलकारी सूचना मिल सकती है।
- घर में रखें हुए गोल्ड की चीजों के आसपास यदि काली चींटियां निकलते दिखे तो यह बहुत ही शुभ माना जाता है, इसका अर्थ आपको नए आभूषण प्राप्त होने का संकेत समझा जाता है।
- काली चींटियां भौतिक सुख वाली चीजों के लिए शुभ मानी जाती है।

वर्तमान में हिन्दू काल गणना के आधार पर कौन सा समय चल रहा है

हिन्दू धर्म में ब्रह्मांड और समय को लेकर जो वृहत्तर धारणा है इसी के आधार पर पौराणिक इतिहास को प्रतिष्ठित और अनुष्ठानों को संपन्न किए जाने का क्रम प्रचलित रहा है। आओ पढ़ते हैं एक विशेष लेख को जिसके माध्यम से आप जान पाएंगे कि वर्तमान में हिन्दू काल गणना के आधार पर कौन सा समय चल रहा है।

दैविक ऋषि मण्डल के अनुसार वर्तमान सृष्टि पंच मण्डल क्रम वाली है। यह है- 1. चन्द्र मंडल, 2.पृथ्वी मंडल, 3.सूर्य मंडल, 4.परमेष्ठी मंडल और 5.स्वायम्भू मंडल। ये उत्तरोत्तर यानि एक के बाद दूसरे मण्डल का चक्कर लगा रहे हैं। जैसे चन्द्र पृथ्वी के, पृथ्वी सूर्य के, सूर्य परमेष्ठी के, परमेष्ठी स्वायम्भू की परिक्रमा करते हैं।

- चन्द्र द्वारा पृथ्वी की एक परिक्रमा- एक मास।
- पृथ्वी द्वारा सूर्य की एक परिक्रमा- एक वर्ष।
- सूर्य की परमेष्ठी (आकाश गंगा) की एक परिक्रमा- एक मन्वन्तर।
- परमेष्ठी (आकाश गंगा) की स्वायम्भू (ब्रह्मलोक) की एक परिक्रमा- एक कल्प।
- स्वायम्भू मंडल ही ब्रह्मलोक है। स्वायम्भू का अर्थ स्वयं (भू) प्रकट होने वाला। यही ब्रह्माण्ड का उद्गम स्थल या केंद्र बिंदु माना जाता है।

अभी हम ''ब्रह्मा के 51वें वर्ष के 1 (पहले) दिन के 7वें मन्वन्तर के 28वें महायुग के चौथे युग (कलियुग)'' में मौजूद हैं।

हमारे पूर्वजों ने जहां खगोलीय गति के आधार पर काल का मापन किया, वहीं काल की अनंत यात्रा और वर्तमान समय तक उसे जोड़ना तथा समाज में सर्वसामान्य व्यक्ति को इसका ध्यान रहे इस हेतु एक अद्भुत व्यवस्था भी की थी, जिसकी ओर साधारणतया हमारा ध्यान नहीं जाता है।

हमारे यहां में कोई भी कार्य होता हो चाहे वह भूमिपूजन हो, वास्तुनिर्माण का प्रारंभ हो, गृहप्रवेश हो, जन्म, विवाह या कोई भी अन्य मांगलिक कार्य हो, वह करने के पहले कुछ पूजन संस्कार विधि करते हैं। उसमें सबसे पहले संकल्प कराया जाता है। यह संकल्प मंत्र यानी अनंतकाल से आज तक की समय और स्थान की स्थिति बताने वाला मंत्र है। इस दृष्टि से इस मंत्र के अर्थ पर हम ध्यान देंगे तो बात स्पष्ट हो जाएगी।-

संकल्प मंत्र में कहते हैं.

ऊँ अस्य श्री विष्णोराज्ञया प्रवर्तमानस्य ब्राहणां द्वितीये परार्धे।

अर्थात : महाविष्णु द्वारा प्रवर्तित अनंत कालचक्र में वर्तमान ब्रह्मा की आयु का द्वितीय परार्ध।

वर्तमान ब्रह्मा की आयु के 50 वर्ष पूरे हो गए हैं। श्वेत वाराह कल्पे कल्प यानि ब्रह्मा के 51वें वर्ष का पहला दिन है।

श्री वैवस्वतमन्वंतरे- अर्थात ब्रह्मा के दिन में 14 मन्वंतर होते हैं। उसमें सातवां मन्वंतर वैवस्वत मन्वंतर चल रहा है।

अष्टाविंशतितमे कलियुगे- एक मन्वंतर में 71 चतुर्युगी होती हैं, उनमें से 28वीं चतुर्युगी का कलियुग चल रहा है।

कलियुगे कलि प्रथमचरणे- कलियुग का प्रारंभिक समय है।

कलिसंवते या युगाब्दे- कलिसंवत या युगाब्द वर्तमान में 5104 चल रहा है।

जम्बु द्वीपे, ब्रह्मावर्त देशे, भरत खंडे- देश प्रदेश का नाम

अमुक स्थाने- कार्य का स्थान

अमुक संवत्सरे- संवत्सर का नाम

अमुक अयने- उत्तरायन/दक्षिणायन

अमुक ऋतौ- वसंत आदि छह ऋतु हैं

अमुक मासे- चैत्र आदि 12 मास हैं

अमुक पक्षे- पक्ष का नाम (शुक्ल या कृष्ण पक्ष)

अमुक तिथौ- तिथि का नाम

अमुक वासरे- दिन का नाम

अमुक समये- दिन में कौन सा समय

उपरोक्त में अमुक के स्थान पर क्रमशः नाम बोलने पड़ते हैं। जैसे अमुक स्थाने में जिस स्थान पर अनुष्ठान किया जा रहा है उसका नाम बोल जाता है। उदहारण के लिए मालव मण्डले (स्थाने), शरद ऋतौ आदि।

इस तरह अमुक व्यक्ति- अपना नाम, फिर पिता का नाम, गोत्र तथा किस उद्देश्य से कौनसा काम कर रहा है, यह बोलकर संकल्प करता है। इस प्रकार जिस समय संकल्प करता है, सृष्टि आरंभ से उस समय तक का स्मरण सहज व्यवहार में भारतीय पद्धति में इस व्यवस्था के द्वारा आया है।

दोष नहीं है मांगलिक प्रभाव वाली कुंडली

भले ही कुछ लोग मांगलिक होने को लेकर बड़ा हव्वा बनाते हों लेकिन शास्त्रों के अनुसार मांगलिक होना कोई चिंता की वजह नहीं है। यदि आपके पुत्र या पुत्री की कुंडली मांगलिक है, तो घबराएं नहीं, शास्त्रों में मंगल दोष दूर करने के उपाय लिखित में उपलब्ध हैं। मांगलिक विचार का निर्णय बारीकी से किया जाना चाहिए क्योंकि शास्त्रों में मांगलिक दोष निवारण के तरीके उपलब्ध हैं। शास्त्र वचनों के जिस श्लोक के आधार पर जहां कोई कुंडली मांगलिक बनती है, वहीं उस श्लोक की परिहार (काट) के कई प्रमाण हैं। ज्योतिष और व्याकरण का सिद्धांत है कि पूर्ववर्ती कारिका से परवर्ती कारिका (बाद वाली) बलवान होती है। दोष के सम्बंध में परवर्ती कारिका ही परिहार है। इसलिए मांगलिक दोष का परिहार मिलता हो तो जरूर विवाह का फैसला किया जाना चाहिए। परिहार नहीं मिलने पर भी यदि मांगलिक कन्या का विवाह गैर मांगलिक वर से करना हो तो शास्त्रों में विवाह से पूर्व घट विवाह का प्रावधान है। मांगलिक प्रभाव वाली कुंडली से भयभीत होने की जरूरत नहीं है। यह दोष नहीं है बल्कि इसी मंगल के प्रभाव से जातक कर्मठ, प्रभावशाली, धैर्यवान तथा सम्मानीय बनता है।

घट विवाह है प्रभावी उपाय

कन्या की कुंडली में मांगलिक दोष का परिहार नहीं हो रहा हो तो उपाय के रुप में कन्या का प्रथम विवाह/सात फेरे किसी घट (घड़े) या वृक्ष के साथ कराए जाने का विधान है। इस प्रकार के उपाय के पीछे तर्क यह है कि मंगली दोष का मारक प्रभाव उस घट या वृक्ष पर होता है, जिससे कन्या का प्रथम विवाह किया जाता है। वर दूसरा पति होने के कारण उस प्रभाव से सुरक्षित रह पाता है। घट विवाह शुभ विवाह मुहूर्त्त और शुभ लग्न में पुरोहित द्वारा सम्पन्न कराया जाना चाहिए। कन्या का पिता पूर्वाभिमुख बैठकर अपने दाहिने तरफ कन्या को बिठाएं। कन्या का पिता घट विवाह का संकल्प ले। नवग्रह, गौरी गणेशादि का पूजन, शांतिपाठ इत्यादि करे। घट की षोडषोपचार से पूजा करें। शाखोच्चार, हवन, सात फेरे और विवाह की अन्य रस्म निभाएं। बाद में कन्या घट को उठाकर हृदय से सटाकर भूमि पर छोड़ दे जिससे घट फूट जाए। इसके बाद देवताओं का विसर्जन करें और ब्राहमण को दक्षिणा दें। बाद में चिरंजीवी वर से कन्या का विवाह करें।

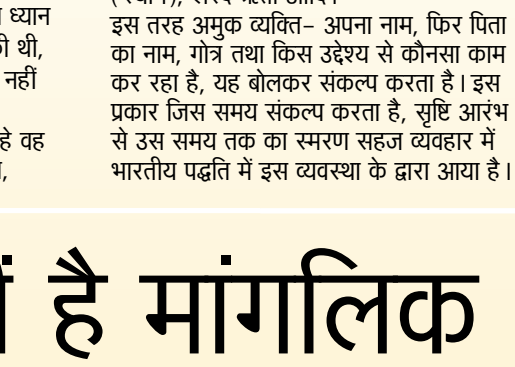

क्यों हो रहा है विवाह में विलंब

विवाह में विलंब होने के कई कारण होते हैं। उनमें से एक कारण कुंडली के ग्रहों को भी माना जाता है। कहते हैं कि जीवन में विवाह के योग बनते हैं परंतु जब वे किसी कारणवश टल जाते हैं तो फिर दूसरी बार योग **बनने में समय लगता है। आओ जानते हैं कि विवाह के** योग कब कब बनते हैं।

विवाह के योग : ज्योतिष मान्यता के अनुसार विवाह के योग उम्र के 27, 29, 31, 33, 35 व 37वें वर्ष में बनते कर दिया जाता था। लड़की की कुंडली में गुरु और पुरुष की कुंडली में शुक्र बनाता है विवाह के योग।

कैसे होता है विवाह में विलंब

- कई बार व्यक्ति विवाह करने से यूं ही इनकार कर देता है कि अभी नहीं करना विवाह। कई बार **अच्छे रिश्ते के चक्कर में योग भी को टाल दिया** जाता है। ऐसे भी होता है कि करियर के चक्कर में भी वह विवाह नहीं करता है।
- ज्योतिष मानता है कि मांगलिक होना, पितृदोष होना या काल सर्पदोष होना भी विवाह में विलंब का एक कारण है।
- कहते हैं कि जब सूर्य, मंगल या बुध लग्न या लग्न के स्वामी पर दृष्टि डालते हों और गुरु 12वें भाव में बैठा हो तो भी विवाह में देरी होती है।
- प्रथम या चतुर्थ भाव में मंगल हो और सप्तम भाव में शनि हो तो व्यक्ति की विवाह के प्रति उदासीनता के भाव रहते हैं।
- प्रथम भाव, सप्तम भाव में और बारहवें भाव में गुरु या शुभ ग्रह योग कारक न हो और चंद्रमा कमजोर हो तो विवाह में बाधाएं आती हैं।
- सप्तम भाव में शनि और गुरु की युति तो शादी देर से होती है। कई बार यह भी देखा गया है कि दोनों में से कोई एक ग्रह हो तो भी विवाह में अड़चन आती है।
- **सप्तम भाव में बुध और शुक्र** की युति हो तो भी **विवाह तय होने में काफी** अड़चने आती रहती है, **जिसके चलते विवाह में विलंब** हो जाता है।
- **चंद्र की राशि कर्क से गुरु** सप्तम हो तो विवाह में बाधाएं आती हैं।
- **सप्तम में त्रिक भाव का स्वामी** हो, कोई शुभ ग्रह **योगकारक नहीं हो तो विवाह** में बाधाएं आती हैं या विवाह देर से होता है।
- **यदि गुरु कमजोर या नीच** का होकर बैठा हो, शत्रु **भाव में या शत्रुओं के साथ बैठा हो तब भी विवाह** में अड़चने आती हैं।

जल्दी शादी करके के उपाय

- मंगल दोष है तो उसका उज्जैन के मंगलनाथ में उपाय करें। कुंभ विवाह करें।
- पितृदोष या कालसर्पदोष हैं तो उसका नासिक का त्र्यंबकेश्वर में जाकर उपाय करें।
- सप्तम भाव का दोष है तो उपके उपाय करना चाहिए।
- **लड़कों को शुक्र के उपाय करना चाहिए और** लड़कियों को गुरु के उपाय करना चाहिए।
- शनिवार को पीपल की पूजा करें।
- गुरुवार को केले के युगल जोड़ों की पूजा करें।
- ग्यारह शुक्रवार को माता पार्वती या दुर्गाजी के मंदिर में श्रीफल व चुनरी को अर्पित करें।
- पूर्णिमा के दिन वट वृक्ष की 108 परिक्रमा करें।
- गाय को घी की रोटी में गुड़ लपेटकर **खिलाएं और हल्दी के पानी में आलू को** उबालकर उसे ठंडा करके गाय को खिलाएं।
- गुरुवार और शुक्रवार को व्रत करें।
- अपने माथे पर केसर, हल्दी या चंदन का तिलक लगाएं।
- शुक्रवार के दिन दही स्नान करें, फिटकरी का कुल्ला करके सोएं।

कई तरह की परेशानियों को दूर रखने में मदद करते हैं ये शुभ चिन्ह

इस त्योहार यदि आपको अपने घर में खुशियों का आगमन चाहिए, तो आपको हमारे शास्त्रों में बताए गए कुछ शुभ चिन्हों की जानकारी जरूर होनी चाहिए। ये ऐसे चिन्ह हैं जिन्हें यदि आपने घर के मुख्य द्वार पर लगा लिया, तो आपके घर में खुशियों को आने से कोई नहीं रोक सकेगा।

हमारे शास्त्रों में ऐसे कई चिन्हों का वर्णन किया गया है जिन्हें घर के मुख्य द्वार पर लगाने से सुख-समृद्धि बनी रहती है। यह चिन्ह घर आने वाली कई तरह की परेशानियों को दूर रखने में हमारी मदद करते हैं। आइए जानते हैं, ऐसे ही कुछ चिन्हों के बारे में, जिन्हें आपको अपने द्वार पर लगाना चाहिए।

स्वस्तिक

मुख्य द्वार पर स्वस्तिक बनाने से हमारे आसपास से नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है।

शुभ-लाभ

शास्त्रों के अनुसार, गणेशजी प्रथम पूज्य देवता हैं और शुभ व लाभ को उनका पुत्र माना गया है। इसीलिए शुभ-लाभ लिखना धनात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। स्वस्तिक के साथ जब सिन्दूर से शुभ-लाभ लिखा जाता है, तब घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

श्रीगणेशजी

घर के मुख्य द्वार पर गणेशजी का चित्र लगाने से गणेशजी की कृपा बनी रहती है और धनधान्य की कमी नहीं होती।

पंचमुखी हनुमान

यदि आपका मुख्य द्वार दक्षिण मुखी है, तो दरवाजे पर पंचमुखी हनुमानजी का चित्र लगाकर शुभता बढ़ाई जा सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीएम योगी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान में किया पौधरोपण, 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। इसके बाद वे गोरखपुर जिले में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इस मौके पर सीएम राज्य में महा वृक्षारोपण 2026 अभियान की शुरुआत करेंगे, जिसके तहत पूरे यूपी में 35 करोड़ पौधे लगाने का बड़ा लक्ष्य रखा गया है। गोरखपुर में एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत साल 2026 के इस अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान के लॉन्च के मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने पर्यावरण और धरती के महत्व को समझाया। सीएम योगी ने कहा कि यह धरती मां के प्रति आभार जताने का एक बहुत बड़ा और शानदार प्रयास है। धरती मां हम सभी को एक अच्छा और अनुकूल पर्यावरण देती हैं और आगे बढ़ने का मौके देती है। वह हमें जिंदा रखने के लिए अनाज और फल पैदा करती हैं। वह हमारे पीने के लिए पानी देती हैं और हमारी सभी जरूरतों को पूरा करती हैं।

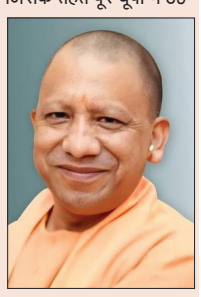

ताज होटल में बम होने की फर्जी सूचना से मचा हड़कंप

मुंबई (एजेंसी)। दुनियाभर में मशहूर मुंबई की प्रतिष्ठित ताज होटल में बम रखे जाने की एक फर्जी सूचना ने रविवार तड़के पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर ला दिया। एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर दावा किया कि अंडरवर्ल्ड डॉन दाउद इब्राहिम ने ताज होटल में बम लगवाया है। सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए होटल में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। कई घंटों की जांच के बाद कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक नहीं मिलने पर पुलिस ने कॉल को फर्जी करार दिया। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया, कि देर रात करीब 12:13 बजे नवी मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में यह फोन कॉल प्राप्त हुआ था। कॉल करने वाले ने दावा किया कि दक्षिण मुंबई के कोलाबा स्थित ताज होटल में बम लगाया गया है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए कोलाबा पुलिस, मुंबई क्राइम ब्रांच और बम निरोधक दस्ते की टीमें तुरंत होटल पहुंचीं और सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा करते हुए होटल परिसर के विभिन्न हिस्सों की गहन तलाशी ली। तलाशी अभियान के दौरान होटल के कमरों, सार्वजनिक क्षेत्रों और अन्य संवेदनशील स्थानों की सावधानीपूर्वक जांच की गई, लेकिन कहीं भी कोई विस्फोटक सामग्री या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद पुलिस ने इसे अफवाह फैलाने के उद्देश्य से किया गया फर्जी कॉल बताया। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने फोन कॉल का स्रोत नवी मुंबई के तुर्भे क्षेत्र में चिन्हित किया है। पुलिस का कहना है कि कॉल करने वाले की पहचान कर ली गई है और उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम रवाना की गई है। फिलहाल किसी आरोपी की गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं हो सकी। उल्लेखनीय है कि टाटा समूह के स्वामित्व वाला ताज महल पैलेस होटल देश के सबसे प्रतिष्ठित होटलों में गिना जाता है। वर्ष 2008 के 26/11 मुंबई आतंकी हमले के दौरान यह होटल आतंकवादियों का प्रमुख निशाना बना था, जिसमें कई लोगों की जान गई थी। इसी कारण होटल की सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत सुदृढ़ रखी जाती है और किसी भी प्रकार की धमकी या संदिग्ध सूचना मिलने पर सुरक्षा एजेंसियां तत्काल उच्च स्तर की सतर्कता बरतती हैं।

सुप्रीम कोर्ट की महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी, चार साल मे चार्जशीट नही

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एक आपराधिक मामले में महाराष्ट्र सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताई है। न्यायालय ने कहा, घटना के चार वर्ष बीत जाने के बावजूद पुलिस अब तक चार्जशीट दाखिल नहीं कर सकी है। जो आपराधिक न्याय व्यवस्था की गंभीर खामी को दर्शाता है। अदालत ने राज्य सरकार से पूछा है,जांच में इतनी असामान्य देरी क्यों हुई। कोन इसके लिए जिम्मेदार है, अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई है। न्यायालय ने टिप्पणी की, समयबद्ध जांच और शीघ्र चार्जशीट न्याय व्यवस्था की मूल आवश्यकता है। अनावश्यक विलंब से पीड़ित और आरोपी दोनों के अधिकार प्रभावित होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को मामले की प्रगति संबंधी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश देते हुए जांच में तेजी लाने और लंबित प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के जज इतने नाराज थे कि उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर स्थिति जल्द ही नहीं बदली तो वह सरकार को बेनकाब कर देंगे।

16 से शुरू होगी जगन्नाथ रथ यात्रा, आयोजन को सफल बनाने तैयारियों में जुटा प्रशासन

पटना(एजेंसी)। 16 जुलाई से शुरू हो रही जगन्नाथ रथ यात्रा की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। मंदिर प्रशासन, ओडिशा सरकार, पुलिस प्रशासन, सेवायतों और लोगों के प्रयासों से इस भव्य आयोजन को सफल बनाने की व्यवस्थाएं की जा रही हैं। रथ यात्रा में भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई भगवान बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा को तीन विशाल लकड़ी के रथों में विराजमान कर श्रद्धालु गुंडिचा मंदिर तक खींचकर ले जाएंगे। जहां भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुक्षद्रा एक हफ्ते तक रहते हैं। फिर उसके बाद जगन्नाथ मंदिर लौट आते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जगन्नाथ मंदिर, पुरी के सेवायत दैतापति भबानी दास महापात्रा ने कहा कि रथ यात्रा के सफल आयोजन के लिए सभी पक्ष एकजुट होकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दैतापति परिवार, मंदिर प्रशासन, ओडिशा सरकार और पुरी के सभी लोग महाप्रभु की कृपा से इस आयोजन को सफल बनाने में जुटे हैं। भगवान जगन्नाथ स्वयं इस रथ यात्रा का मार्गदर्शन और आशीर्वाद देते हैं।

उन्होंने सीएम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सीएम स्वयं तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। साथ ही पुलिस प्रशासन की सराहना करते हुए बताया कि यात्रा की सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर अब तक 20 से 30 बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। महापात्रा ने विश्वास जताया कि इस वर्ष की रथ यात्रा ऐतिहासिक होगी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन भक्तों, सेवायतों, मंदिर प्रशासन, ओडिशा सरकार और पुरी के नागरिकों के सामूहिक सहयोग और मिले-जुले प्रयासों को दिखाती है। उन्होंने कहा कि जगन्नाथ मंदिर में इस दिव्य और भव्य उत्सव की सभी तैयारियां पूरे जोश और उत्साह के साथ जारी हैं।

पंजाब कांग्रेस में बगावत: बागियों को नहीं मना पाए बघेल

12 विधायकों और तीन सांसदों के साथ चन्नी ने दिखाई ताकत

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस में बगावत के सुर और तेज हो गए हैं। आलाकमान की कोशिशें नाकाम हो गई हैं। मोरिंडा के बाद पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी गुट के नाराज नेताओं ने चंडीगढ़ में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं पंजाब कांग्रेस के प्रभारी भूपेश बघेल के सामने शक्ति प्रदर्शन किया। बघेल इन नेताओं को मनाने विधायक राणा गुरजीत सिंह के आवास पहुंचे थे, लेकिन वहां उन्हें नाराज नेताओं की ताकत का सामना करना पड़ा। बैठक के बाद भी बगावत के सुर शांत नहीं हुए। बघेल ने नेताओं को भरोसा दिया कि उनकी भावनाओं से हाईकमान को अवगत कराया जाएगा। ऐसे में पंजाब कांग्रेस की इस अंदरूनी खींचतान को खत्म करने की जिम्मेदारी अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पाले में पहुंच गई है। नाराज नेताओं ने एक सुर में कहा कि उन्हें मौजूदा प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग का नेतृत्व कतई स्वीकार नहीं है।

नेताओं ने कहा कि उन्हें पंजाब में कॉम्प्रोमाइज्ड (समझौतावादी) नेता नहीं चाहिए। विधानसभा चुनाव जीतना है तो प्रदेश संगठन का नेतृत्व ऐसे नेता के हाथ में होना चाहिए, जो सरकार के खिलाफ मजबूती से लड़ सके। नेताओं ने बघेल से साफ कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पंजाब में बड़ा और सर्वस्वीकार्य चेहरा हैं।

कई बार फैसले वापस लेने पड़ते हैं: रंधावा

पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि उनकी प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग से कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है, लेकिन प्रदेश नेतृत्व राज्य सरकार के खिलाफ अपेक्षित आक्रामकता नहीं दिखा रहा। उन्होंने कहा कि सभी नेताओं ने अपनी बात प्रभारी भूपेश बघेल के सामने रख दी है और उनसे आग्रह किया है कि वह नेताओं की भावनाओं से हाईकमान को अवगत कराएं। कई बार परिस्थितियों के अनुसार हाईकमान को अपने फैसले वापस लेने पड़ते हैं। यदि पंजाब में कांग्रेस की सरकार बनानी है तो इस फैसले पर भी पुनर्विचार करना होगा। हम कॉम्प्रोमाइज्ड नेताओं के साथ आगे नहीं बढ़ सकते।

तेल देखेंगे, तेल की धार देखेंगे: चन्नी

पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि प्रभारी भूपेश बघेल के साथ बातचीत हो गई है। सभी नेताओं ने अपने मन की बात उनके सामने रख दी है। अब फैसला हाईकमान को करना है। उन्होंने कहा कि अब तेल देखेंगे, तेल की धार देखेंगे, यानी आगे पार्टी नेतृत्व की प्रतिक्रिया का इंतजार करेंगे।

मैं कॉम्प्रोमाइज्ड नहीं: वड़िंग

पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने उनका नाम नहीं लिया। वह और रंधावा पिछले साढ़े चार वर्षों से साथ काम कर रहे हैं। यदि दोनों में से कोई कॉम्प्रोमाइज्ड होता तो इतनी लंबी राजनीतिक साझेदारी संभव नहीं होती। उन्होंने कहा कि वह भी मानते हैं कि पंजाब में कांग्रेस कॉम्प्रोमाइज्ड नेताओं के साथ आगे नहीं बढ़ सकती।

ओमान तट पर व्यावसायिक जहाज पर हुए ईरानी हमले का भारत ने किया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ओमान के तट के पास व्यावसायिक जहाज पर हुए कथित ईरानी हमले का भारत ने कड़ा विरोध किया है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को जारी बयान में इस हमले की निंदा करते हुए कहा कि जहाज पर मौजूद 11 भारतीय नागरिकों में से 10 को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय नाविक लापता है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक ओमान स्थित भारतीय दूतावास पूरे घटनाक्रम पर नजर रख रहा है और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर खोज एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है। सरकार ने कहा कि लापता भारतीय नागरिक का पता लगाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। बयान में कहा गया है कि हम ओमान के तट के पास व्यावसायिक जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हैं। हमारा दूतावास ओमानी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है और बचाव अभियान पर करीबी नजर रखे हुए है। भारत ने बचाव अभियान में सहयोग के लिए ओमान सरकार और स्थानीय अधिकारियों का आभार माना है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीय मिशन प्रभावित नाविकों और उनके परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रहा है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब होर्मुज और ओमान के आसपास के समुद्री क्षेत्रों में सैन्य तनाव लगातार बढ़ रहा है। बतादें हाल के दिनों में व्यापारिक जहाजों पर हमलों की घटनाओं ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। भारत ने दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना वैश्विक समुदाय की साझा जिम्मेदारी है और निर्दोष नागरिकों और व्यापारिक जहाजों पर हमले किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जा सकते हैं।

बीजेपी नेशनल कॉन्फ्रेंस में फूट डालकर सरकार को गिराने की कोशिश कर रही: उमर

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस में फूट डालकर उनकी सरकार को गिराने की कोशिश कर रही है। उमर अब्दुल्ला ने दावा किया कि उनकी पार्टी के विधायकों को पाला बदलने के लिए 20 से 30 करोड़ रुपए तक की पेशकश की गई है।

श्रीनगर के हजरतबल में अपनी दादी बेगम अकबर जोहरा की 26वीं पुण्यतिथि पर आयोजित एक कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा उनके विधायकों को खरीदने के लिए धनबल का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब पैसे और मंत्री पद का लालच काम नहीं आया, तो भाजपा बंद दरवाजों के पीछे विधायकों से कह रही है कि वे उनके साथ आ जाएं और वे उन्हें राज्य का दर्जा दिला देंगे।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक विशिष्ट घटना का जिक्र करते हुए दावा किया कि जम्मू क्षेत्र के नेशनल कांफ्रेंस के एक विधायक ने खुद उन्हें इसकी जानकारी दी। विधायक के अनुसार, भाजपा के एक पदाधिकारी और उच्चतम न्यायालय के एक वकील ने उनसे समर्थन मांगा और इसके बदले में 20 से 30 करोड़ रुपये, एक मंत्री पद और राज्य का दर्जा देने का वादा किया।

अपनी पार्टी के सहयोगियों और विधायकों पर पूरा भरोसा जताते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि नेशनल कांफ्रेंस का कोई भी विधायक खुद को नहीं बेचेगा। उन्होंने कहा कि एक भी ऐसा विधायक नहीं है जो 20 करोड़ या 100 करोड़ रुपये के लिए भी अपनी ईमानदारी बेच दे, क्योंकि वे जानते हैं कि उन्हें अल्लाह को जवाब देना है। उन्होंने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा कि वे पिछले दरवाजे से सत्ता हासिल करने की कोशिश न करें।

इस सम्मेलन के बाद, नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने भी अपनी पार्टी को तोड़ने की कोशिशों की बात स्वीकार की और कहा कि ऐसी कोशिशें अतीत में भी की जा चुकी हैं। उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इन सब बातों से निराश न हों।

बांग्लादेश में आतंकी प्रशिक्षण शिविर होने के दावे से बढ़ी चिंता

-चिकन नेक को लेकर पूर्व रॉ अधिकारी के दावों से रणनीतिक बहस हुई तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में कथित आतंकी प्रशिक्षण शिविरों और भारत के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) को लेकर पूर्व रॉ अधिकारी लकी बिष्ट के दावों के बाद सुरक्षा संबंधी चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, इन दावों की भारत सरकार या किसी आधिकारिक एजेंसी की ओर से फिलहाल पुष्टि नहीं की गई है।

दरअसल लकी बिष्ट ने सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में दावा किया कि बांग्लादेश के विभिन्न क्षेत्रों में कथित आतंकी प्रशिक्षण शिविर संचालित हो रहे हैं, जहां पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और उसके सहयोगियों की भूमिका है। उन्होंने यह भी दावा किया कि वर्ष 2025 में पाकिस्तान की आईएसआई के प्रमुख आसिम मलिक ने बांग्लादेश यात्रा के दौरान इन कथित शिविरों का गुप्त दौरा किया था। इन दावों के समर्थन में कोई आधिकारिक साक्ष्य सार्वजनिक नहीं किया गया है।

पूर्व रॉ अधिकारी ने रंगपुर, चटगांव हिल ट्रैक्ट्स, सिलहट और नेत्रोकोना क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि इन इलाकों में विभिन्न चरमपंथी संगठनों से जुड़े तत्व सक्रिय हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

सिलीगुड़ी कॉरिडोर, जिसे आम तौर पर चिकन नेक कहा जाता है, पश्चिम बंगाल में स्थित भारत का एक अत्यंत महत्वपूर्ण भू-भाग है। यह संकरा गलियारा देश के पूर्वोत्तर के आठ राज्यों–अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा–को शेष भारत से जोड़ता है। सबसे संकरे हिस्से में इसकी चौड़ाई लगभग 22 किलोमीटर है, जिसके कारण इसे सामरिक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील माना जाता है।

रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, सिलीगुड़ी कॉरिडोर भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और पूर्वोत्तर राज्यों से संपर्क बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में इस क्षेत्र से जुड़े किसी भी सुरक्षा दावे का मूल्यांकन आधिकारिक खुफिया सूचनाओं और सरकारी जांच के आधार पर ही किया जाना चाहिए। फिलहाल बांग्लादेश में कथित आतंकी शिविरों और उनके भारत की सुरक्षा पर संभावित प्रभाव को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी से ध्यान भटकाने बीजेपी यूसीसी का मुद्दा उठा रही

-शिवसेना (यूबीटी) के आदित्य ठाकरे ने कहा-बीजेपी बाबर जनता पार्टी बन गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति गर्मा गई है। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली विपक्षी शिवसेना (यूबीटी) इस मुद्दे को लेकर बीजेपी के खिलाफ खुलकर मैदान में आ गई है। शिवसेना (यूबीटी) महाराष्ट्र में राम रक्षा आंदोलन चला रही है, वहीं पार्टी के प्रमुख नेताओं ने बीजेपी के खिलाफ जमकर बयानबाजी की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के बेटे और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना को लेकर बीजेपी पर हमला बोला। आदित्य ने कहा है कि हम भगवान राम को बीजेपी से बचा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि बीजेपी अब बाबर जनता पार्टी बन गई है। आदित्य ने आरोप लगाया है कि बीजेपी राम मंदिर में हुई लूट से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी इस मुद्दे से देश का ध्यान भटकाने के लिए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मुद्दा उठा रही है। आदित्य ने कहा कि हम ऐसा नहीं होने देंगे। उन्होंने यूसीसी को लेकर पार्टी का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि इसके गुण-दोष के आधार पर बहस होनी चाहिए। हम इसका समर्थन करेंगे। आदित्य ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी और कई अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग की।

रिपोर्ट के मुताबिक आदित्य ठाकरे ने कहा कि राम मंदिर में हुई लूट की निष्पक्ष जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना चाहिए। बता दें शिवसेना के राम रक्षा आंदोलन की शुरुआत पिछले दिनों पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने दादर के हनुमान मंदिर से की थी। इस मौके पर मंदिर आंदोलन में बालासाहेब ठाकरे की भूमिका को याद करते हुए उन्होंने चढ़ावा चोरी को हिंदू आस्था के साथ विश्वासघात बताया था।

नरोत्तम मिश्रा ने ऐसा क्या कह दिया कि उमा भारती ने की सराहना

-दतिया उपचुनाव के लिए भाजपा के घोषित प्रत्याशी को रार

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा की खुले मन से सराहना की है। वहीं उन्होंने दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा से घोषित प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को जीत का आशीर्वाद भी दे दिया है।

दरअसल भाजपा प्रत्याशी घोषणा को लेकर नरोत्तम मिश्रा समर्थकों ने विरोध जताते हुए प्रदर्शन किया था। जो आगे चलकर हिंसक हो गया। इसी बीच शीर्ष नेतृत्व के दखल के बाद नरोत्तम मिश्रा ने पार्टी प्रत्याशी के नामांकन में शामिल होने का ऐलान किया, जिसे उमा भारती ने संगठनात्मक मर्यादा और राजनीतिक परिपक्वता का आदर्श उदाहरण बताया है। यहां बताते चलें कि इन दिनों उमा भारती वृंदावन प्रवास पर हैं। वहीं से उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, कि भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने उन्हें फोन कर चुनाव में जीत का आशीर्वाद मांगा था। उन्होंने कहा कि उन्होंने उन्हें पूरे मन से विजय का आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की।

इसी के साथ ही उमा भारती ने अपनी पोस्ट में नरोत्तम मिश्रा का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि प्रत्याशी की घोषणा के बाद उन्होंने नरोत्तम मिश्रा को यह कहते सुना कि वे आशुतोष तिवारी के नामांकन में शामिल होंगे। उन्होंने इस कदम को लोकतांत्रिक मूल्यों और पार्टी अनुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि यही किसी बड़े नेता की पहचान होती है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा कि वह नरोत्तम मिश्रा का अत्यंत सम्मान करती हैं और उनके प्रति स्नेह रखती हैं। उन्होंने कहा कि जो बात वह स्वयं कहना चाहती थीं, उसे नरोत्तम मिश्रा ने अपने व्यवहार से पहले ही सिद्ध कर दिया। उनके अनुसार, यह नरोत्तम मिश्रा के बड़प्पन और संगठन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उल्लेखनीय है कि दतिया उपचुनाव में भाजपा ने पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा के स्थान पर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया है। टिकट की घोषणा के बाद कुछ समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया था। इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगाने और पथराव की घटना भी हुई, जिसमें पुलिस अधीक्षक सहित कई पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। हालांकि, इसके बाद पार्टी नेतृत्व ने स्थिति को संभालने का प्रयास किया है, जिसका असर भी नजर आया है।

फिल्म सतलुज में किए गए दावों के समर्थन में प्रमाण सार्वजनिक करें मेकर्स

-केंद्रीय राज्यमंत्री बिट्टू ने कहा-प्रमाण सही पाए गए तो माफी मांगने को तैयार

चंडीगढ़(एजेंसी)। केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म सतलुज को लेकर फिल्म निर्माताओं पर सवाल उठाते हुए उनसे फिल्म में किए गए कुछ दावों के समर्थन में दस्तावेजी प्रमाण सार्वजनिक करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि फिल्म में दिखाए गए तथ्यों के पर्याप्त सबूत नहीं हैं, तो दर्शकों के सामने उन्हें ऐतिहासिक सत्य के रूप में पेश करना उचित नहीं है। बिट्टू ने विशेष तौर पर फिल्म में कथित तौर पर दर्शाए गए 25 हजार लापता या अवैध रूप से दाह-संस्कार किए गए शवों के दावे पर आपत्ति जताई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बिट्टू का कहना है कि यदि इस आंकड़े के समर्थन में आधिकारिक रिकॉर्ड या ठोस दस्तावेज उपलब्ध हैं, तो उन्हें सार्वजनिक किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि ऐसे प्रमाण सामने आते हैं तो वह सार्वजनिक रूप से अपनी बात वापस लेने और माफी मांगने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास से जुड़े विवादित मामलों को बिना ठोस सबूत के दिखाना सही नहीं है। उनके मुताबिक पंजाब के आतंकवाद के दौर की कहानी दिखाते समय सभी पक्षों को बराबर जगह मिलनी चाहिए।

बिट्टू ने कहा कि फिल्म में आतंकवाद का सिर्फ एक पक्ष दिखाया गया है, जबकि निर्दोष लोगों, बस यात्रियों, दुकानदारों, सरकारी कर्मचारियों और मजदूरों की हत्याओं को उतनी अहमियत नहीं दी गई, जितनी दी जानी चाहिए थी। बिट्टू ने यह भी सवाल उठाया कि फिल्म में आतंकवाद के दौरान मारे गए निर्दोष लोगों और पुलिस व सुरक्षा बलों के जवानों के बलिदान को कितना दिखाया गया है। उन्होंने फिल्म मेकर्स से कहा कि अगर उनके पास 25 हजार शवों के दावे के सबूत हैं तो उन्हें सामने लाएं। अगर सबूत नहीं हैं, तो इस दावे पर पंजाब के लोगों से माफी मांगे।

चीन ने ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट बूस्टर को वापस हासिल किया, भारत अभी कई साल दूर

-इस बूस्टर के इस साल के आखिर में दोबारा उड़ान भरने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट बूस्टर को वापस हासिल कर लिया है। इसके साथ ही वह उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जो दोबारा इस्तेमाल होने वाले लॉन्च सिस्टम पर काम कर रहे हैं। वहीं इसरों के दोबारा इस्तेमाल होने वाले नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्च व्हीकल की डेमो-फ्लाइट में अभी कई साल और लगेंगे। चीन ने हैनान तट के पास वर्टिकल पावर्ड डिसेंट के बाद अपने लॉन्ग मार्च-10बी रॉकेट के पहले चरण के बूस्टर को वापस हासिल कर लिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी के हवाले से बताया कि इस बूस्टर के इस साल के आखिर में दोबारा उड़ान भरने की उम्मीद है। इस कामयाबी से ग्लोबल लीडर्स के साथ अंतर कम तो हुआ है, लेकिन पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्पेस-एक्स अभी भी इस मामले में बेंचमार्क बना हुआ है; इसने करीब एक दशक से फाल्कन-9 बूस्टर को लगातार रिकवर करके दोबारा इस्तेमाल किया है, जिससे लॉन्चिंग की लागत और तौर-तरीके पूरी तरह बदल गए हैं। ब्लू ओरिजिन भी अपने भारी-भरकम न्यू ग्लेन रॉकेट के लिए दोबारा इस्तेमाल होने वाले पहले चरण पर काम कर रहा है। चीन की यह कामयाबी दिखाती है कि दोबारा इस्तेमाल होने वाले ऑर्बिटल लॉन्च सिस्टम अब सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कमर्शियल और लूनर प्रोग्राम चलाने वाली बड़ी स्पेस ताकतों के लिए यह एक जरूरी क्षमता बनती जा रही है।

स्पेस एजेंसी की ताजा जानकारी के विश्लेषण से पता चलता है कि एनजीएलवी का विकास शुरू हो गया है। एनजीएलवी को आंशिक रूप से दोबारा इस्तेमाल होने वाला, इंसानों को ले जाने में सक्षम और व्यावसायिक रूप से व्यावहारिक लॉन्चर बताया गया है। इस तीन-स्टेज वाले व्हीकल को लो-अर्थ ऑर्बिट तक 30 टन तक का पेलोड ले जाने के लिए डिज़ाइन किया जा रहा है और इसके दो वेरिएंट की योजना है। इसरो ने बताया कि पहले स्टेज को वर्टिकल लैंडिंग और दोबारा इस्तेमाल के जरिए रिकवरी के लिए कॉन्फ़िगर किया जाएगा। यह रिकवरी का तरीका मोटे तौर पर फाल्कन-9 जैसा ही है, जिसे सबसे पहले अपनाया गया था और अब चीन भी इसी रास्ते पर चल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के पीएम शहबाज़ शरीफ़ की ईरान के राष्ट्रपति से बातचीत, कहा-स्थायी शांति के लिए मध्यस्थ बनने को तैयार है पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ ने शुक्रवार को ईरान के नए राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेज़ेशकियान से फोन पर एक बेहद महत्वपूर्ण बातचीत की। इस बातचीत में उन्होंने बदलते वैश्विक व क्षेत्रीय घटनाक्रमों के बीच शांति कायम रखने के लिए संयम और कूटनीति की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। पीएम शहबाज़ शरीफ़ ने देर रात सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' (ट्विटर) पर पोस्ट साझा कर इस बातचीत की विस्तृत जानकारी दी। शहबाज़ शरीफ़ ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'आज मैंने अपने भाई और ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेज़ेशकियान से बात की। हमने बदलते हुए ताज़ा हालात पर विस्तार से चर्चा की और इस बात पर ज़ोर दिया कि हाल के महीनों में क्षेत्र में जो शांति स्थापित हुई है, उसे बचाने के लिए सभी पक्षों द्वारा संयम, आपसी बातचीत और कूटनीति का रास्ता अपनाना बेहद ज़रूरी है।' समाचार के अनुसार, वर्तमान में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव को कम करने, शांति स्थापित कराने तथा संभावित युद्ध के संकट को पूरी तरह ख़त्म कराने के लिए पाकिस्तान मध्यस्थता की कोशिशों में जुटा हुआ है।

नेपाल में भारतीय पर्यटक की मौत, तैरने के लिए नाव से झील में लगाई थी छलांग

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि नेपाल की एक झील में तैरते समय एक भारतीय पर्यटक की मौत हो गई। यह घटना कास्की जिले के पोखरा महानगरपालिका में स्थित फेवा झील में घटी। मृतक की पहचान बिहार निवासी 28 वर्षीय रोहित कुमार के रूप में हुई है। वह नाव में सवार थे और तैरने के लिए नाव से कूद गए थे। कास्की जिला पुलिस के प्रवक्ता बीरेंद्र कुमार पासवान ने बताया कि वह शाम करीब 5 बजे लापता हो गया था और सशस्त्र पुलिस बल की एक टीम ने उसे बचा लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्हें वेस्टर्न रीजनल हॉस्पिटल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

नाइजीरिया : मई में आतंकवादियों ने अगवा किए थे कई छात्र, एक समूह को बचाया गया

अबूजा, एजेंसी। नाइजीरिया की सरकार ने शुक्रवार को बताया कि देश के दक्षिण-पश्चिमी ओयो राज्य में मई में मुस्लिम आतंकवादियों द्वारा अगवा किए गए छात्रों के एक समूह को बचा लिया गया है। सरकारी प्रवक्ता बायो ओनानूगा ने बचाए गए छात्रों की कुल संख्या नहीं बताई, लेकिन अधिकारियों ने 15 मई को दो माध्यमिक विद्यालयों से अपहरण के समय कहा था कि 40 से अधिक लोगों का अपहरण किया गया था। ओनानूगा ने बताया कि इस अभियान के तहत आठ आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया। दक्षिणी राज्य ओयो में हुए अपहरणों ने देश के सुरक्षा संकट में वृद्धि का संकेत दिया है क्योंकि इससे पहले इस तरह के अधिकांश अपहरण उत्तर में हुए थे।

ब्रिटेन : पुलिस ने पूर्व संसद सदस्य ऐन विडेकोम्बे की हत्या के संदिग्ध को किया गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी। पुलिस ने बताया कि ब्रिटेन की पूर्व सांसद और रियलिटी टीवी प्रतियोगी ऐन विडेकोम्बे की हत्या के संदेह में शुक्रवार को 26 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। 78 वर्षीय विडेकोम्बे गुरुवार को दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के डार्टमूर नेशनल पार्क के बाहरी इलाके में स्थित अपने हेटोर वेले स्थित घर में गंभीर चोटों के साथ मृत पाई गईं। डेवॉन और कॉर्नवाल पुलिस के सहायक मुख्य कांस्टेबल मैट लॉन्गमैन ने कहा कि इस हत्या को आतंकवादी कृत्य नहीं माना जा रहा है और ऐसी कोई जानकारी नहीं है जिससे यह संकेत मिले कि यह राजनीतिक रूप से प्रेरित थी।

नासा के अनिल मेनन 14 जुलाई को अंतरिक्ष के लिए होंगे रवाना

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के भारतवंशी अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन 14 जुलाई को कजाखस्तान स्थित बैकानूर कॉस्मोड्रोम (अंतरिक्ष प्रक्षेपण स्थल) से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए आठ महीने के मिशन पर रवाना होंगे। वह आपात चिकित्सा के चिकित्सक व अमेरिकी अंतरिक्ष बल में कर्नल हैं। वह भारत में एक वर्ष तक रोटरी एंबेसडोरियल स्कॉलर के रूप में रहे और पोलियो टीकाकरण अभियान के अध्ययन और समर्थन का कार्य किया। अमेरिकी वायुसेना में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने 'ऑपरेशन एंड्यूरिंग फ्रीडम' के तहत अफगानिस्तान में अग्रिम मोर्चे पर सेवा दी। मेनन (49) ने हिमालयन रेस्क्यू एसोसिएशन के लिए माउंट एवरेस्ट पर पर्वतारोहियों का इलाज किया।

चीन का नया कानून बना तिब्बत के लिए संकट, मानवाधिकारों का हो रहा घोर उल्लंघन

बीजिंग, एजेंसी। तिब्बत में लगातार मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन बहुत तेजी से हो रहा है। चीन एक नए कानून के जरिए तिब्बती लोगों को जबरदस्ती अपनी संस्कृति में ढालने की कोशिश कर रहा है। इंटरनेशनल कैंपेन फॉर तिब्बत के निदेशक रयान फियोरेसी ने इसे लेकर बहुत गहरी चिंता जताई है। यह नीतियां तिब्बतियों की स्वतंत्र सांस्कृतिक पहचान के लिए एक बहुत ही बड़ा खतरा बन चुकी हैं।

चीन ने 1 जुलाई से 'एथनिक यूनिटी एंड प्रोग्रेस लॉ' को पूरी तरह से लागू कर दिया है। यह नया कानून ऐसी क्रूर नीतियों को कानूनी मान्यता देता है जिनका मुख्य उद्देश्य तिब्बत की अलग पहचान कमजोर करना है। बीजिंग की यह जबरन एकीकरण नीति तिब्बतियों के मौलिक अधिकारों को बहुत बुरी तरह छीन रही है। दुनिया को अब इसके खिलाफ एकजुट होकर अपनी बहुत ही कड़ी आवाज तत्काल उठानी होगी।

चीनी सरकार का तानाशाही कानून : फियोरेसी ने स्पष्ट किया कि चीन के नए कानून की कई बातें उसके अपने संविधान के सख्त खिलाफ जाती हैं। इसके अलावा यह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार प्रतिबद्धताओं का भी एक सीधा और बहुत बड़ा उल्लंघन माना जा रहा है। आईसीटी ने संयुक्त राष्ट्र और कई देशों की सरकारों से इस गंभीर मुद्दे पर तत्काल हस्तक्षेप करने की अपील की है। चीन इस खतरनाक कानून के जरिए तिब्बती लोगों की आवाज को बहुत बुरी तरह से दबा रहा है।

दलाई लामा का 91वां जन्मदिन : आईसीटी के निदेशक रयान फियोरेसी ने यह अहम बात वॉशिंगटन में दलाई लामा के 91वें जन्मदिन के मौके पर कही। इस विशेष कार्यक्रम में अमेरिकी सरकारी अधिकारी, राजनयिक और तिब्बती समुदाय के कई लोग मुख्य रूप से शामिल हुए थे। नागरिक समाज के कई प्रतिनिधियों और पत्रकारों ने भी इस महत्वपूर्ण आयोजन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सभी ने एकजुट होकर तिब्बत की वर्तमान स्थिति और चीनी नीतियों पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की।

करुणा और अहिंसा का संदेश : फियोरेसी ने जोर देकर कहा कि आज के समय में दुनिया के कई हिस्सों में लगातार भारी संघर्ष चल रहे हैं। ऐसे में दलाई लामा का करुणा और अहिंसा का संदेश पूरी दुनिया के लिए बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण है। उनका यह संदेश सरल जरूर है लेकिन इसमें देशों के बीच बिगड़े रिश्तों को पूरी तरह बदलने की भारी ताकत है। शांति के रास्ते पर चलकर ही ऐसे पुराने और जटिल विवादों को सही तरीके से सुलझाया जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय दबाव की बड़ी जरूरत : आईसीटी ने अमेरिका सहित सभी देशों की सरकारों से चीन पर कड़ा अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाने की बहुत भारी अपील की है। संगठन का दृढ़ मानना है कि चीन को दलाई लामा या उनके विशेष प्रतिनिधियों के साथ बातचीत फिर से शुरू करनी चाहिए। तिब्बत के इस गंभीर मुद्दे का स्थायी समाधान केवल शांतिपूर्ण बातचीत के जरिए ही पूरी तरह निकाला जा सकता है। इस अहम बातचीत में तिब्बती लोगों की वर्तमान चिंताएं बहुत ही प्रमुखता से शामिल होनी चाहिए।

वास्तविक स्वायत्तता और मूल अधिकार : इस बातचीत में तिब्बती लोगों की लंबे समय से चली आ रही चिंताओं को मुख्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए। उन्हें अपने क्षेत्र में वास्तविक स्वायत्तता और सभी बुनियादी मूल अधिकार मिलने बहुत ही ज्यादा जरूरी हैं। दलाई लामा साल 1959 में अपना देश तिब्बत छोड़कर भारत आ गए थे और तब से धर्मशाला में रह रहे हैं। उन्हें 1989 में शांतिपूर्ण तरीके से समाधान खोजने के लिए विश्व प्रसिद्ध नोबेल पुरस्कार मिला था।

अमेरिका का तिब्बत नीति कानून : अमेरिका ने साल 2002 के तिब्बत नीति कानून के तहत तिब्बत मामलों के लिए एक विशेष समन्वयक का अहम पद बनाया था। यह खास कार्यालय तिब्बत को लेकर सभी अमेरिकी नीतियों में एक बहुत ही बेहतर तालमेल स्थापित करता है। यह चीनी अधिकारियों और तिब्बती प्रतिनिधियों के बीच बातचीत को आगे बढ़ाने का काम भी बहुत ही जिम्मेदारी से करता है। यह तिब्बतियों को उनके अधिकार दिलाने और शांति स्थापित करने की एक बहुत बड़ी और सकारात्मक पहल है।

चीन में बारिश ने मचाई तबाही! 95 हजार से ज्यादा लोग घर छोड़ने को मजबूर, कई इलाकों में रेड अलर्ट

बीजिंग, एजेंसी। चीन की राजधानी बीजिंग इस समय भीषण प्राकृतिक आपदा का सामना कर रही है। शुक्रवार को हुई मूसलाधार बारिश ने शहर के कई हिस्सों में जनजीवन को पूरी तरह से ठप कर दिया है। बीजिंग नगर बाढ़ नियंत्रण कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक पूरे शहर में रिकॉर्ड तोड़ बारिश दर्ज की गई है। सबसे खराब स्थिति शहर के बाहरी इलाके पिंगगू जिले में देखी गई, जहां एक स्थानीय बाजार क्षेत्र में 164 मिमी तक पानी बरस गया, जिससे चारों ओर जलभराव की स्थिति पैदा हो गई।

95 हजार से अधिक लोगों का रेस्क्यू : प्रशासन ने भारी बारिश और संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार शाम तक 36,279 परिवारों के कुल 95,657 लोगों को उनके घरों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे बिना किसी आपातकालीन कार्य के अपने घरों से बाहर न निकलें और मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों का पालन करें। फिलहाल राहत की बात यह है कि शहर के सभी बड़े और मध्यम आकार के जलाशय अपनी अधिकतम जल-सीमा से नीचे बने हुए हैं। हालांकि, खतरा अभी टला नहीं है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि शुक्रवार की रात और शनिवार को भी कई इलाकों में मध्यम से लेकर मूसलाधार बारिश जारी रह सकती है। प्रशासन ने अपनी आपातकालीन टीमों को अलर्ट पर रखा है ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके।

दोहरे टाइफून का खतरा : चीन के लिए चिंता केवल बीजिंग की बारिश तक सीमित नहीं है। जल संसाधन मंत्रालय के अनुसार, टाइफून मायसक और टाइफून बावी के कारण देश की कई प्रमुख नदियों में बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। टाइफून 'मायसक' की वजह से दक्षिणी चीन के गुआंग्शी झुआंग ऑटोनॉमस रीजन में पहले ही भीषण बारिश हो चुकी है, जिससे पर्ल नदी क्षेत्र के कई हिस्सों में गंभीर बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गुआंग्शी और पड़ोसी ग्वांगडोंग प्रांत में 'रेड अलर्ट' जारी कर दिया गया है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि सुपर टाइफून 'बावी' चीन के पूर्वी तट की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इसके प्रभाव से आने वाले एक सप्ताह के भीतर देश के छह प्रमुख नदी क्षेत्रों में भारी तबाही और बाढ़ आने की आशंका है। जल संसाधन मंत्रालय ने संबंधित विभागों को जलाशयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, पहाड़ी इलाकों में अचानक आने वाली बाढ़ की निगरानी करने और जल परियोजनाओं की नियमित जांच करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

फ़िलिपींस में बावी तूफ़ान का हाहाकार, भूस्खलन में 15 लोगों की मौत, ताइवान, जापान और चीन में हाई अलर्ट

मनीला/ताइपे, एजेंसी। दक्षिणी फ़िलिपींस में दशकों के सबसे शक्तिशाली और विनाशकारी चक्रवाती तूफ़ानों में से एक 'बावी' ने भीषण तबाही मचाई है। तूफ़ान के प्रभाव के कारण हुए भीषण भूस्खलन की चपेट में आने से अब तक कम से कम 15 लोगों की मौत हो चुकी है। इस चक्रवात के विकराल रूप को देखते हुए पूर्वी एशिया के कई देशों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। यह महातूफ़ान क़रीब 1,000 किलोमीटर (620 मील) से अधिक के विशाल क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसका आकार लगभग फ़्रांस के बराबर बताया जा रहा है। वर्तमान में यह प्रशांत महासागर से होते हुए ताइवान की ओर तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। तूफ़ान के चलते फ़िलिपींस के मिंडानाओ द्वीप पर मूसलाधार बारिश का दौर जारी है। भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन की वजह से कई परिवार मलबे की चपेट में आ गए हैं। आपदा प्रबंधन और बचाव दल की टीमें मौके पर मुस्तैदी से जुटी हुई हैं और मलबे में लापता हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। मौसम विभाग की चेतावनियों के बाद पड़ोसी देशों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं:

ताइवान और जापान: मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस विशाल तूफ़ान के कारण ताइवान के उत्तरी व पूर्वी हिस्सों के साथ-साथ जापान के दूरदराज़ के द्वीपों में अत्यधिक भारी बारिश होने की आशंका है।

चीन: अनुमान जताया गया है कि यह तूफ़ान शनिवार को दक्षिण-पूर्वी चीन के तटीय इलाकों से टकरा सकता है जिसके चलते तटीय क्षेत्रों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। तूफ़ान की गंभीरता को देखते हुए प्रभावित होने वाले संभावित क्षेत्रों में कई घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। बच्चों की सुरक्षा के मद्देनज़र स्कूलों में क्लासेज़ को पूरी तरह स्थगित कर दिया गया है। वहीं, संभावित लॉकडाउन या संकट की स्थिति से निपटने के लिए स्थानीय नागरिकों में आवश्यक वस्तुओं को खरीदने की होड़ मच गई है, जिसके कारण सुपरमार्केट की कई शेल्फ़ पूरी तरह खाली हो चुकी हैं। प्रशासन ने लोगों से घरों में रहने और आधिकारिक निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

पूर्व ब्रिटिश सांसद एन विडिकॉम्ब की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या, पुलिस ने 26 वर्षीय युवक को किया गिरफ्तार

लंदन/डेवोन, एजेंसी। ब्रिटेन की जानी-मानी राजनीतिज्ञ और पूर्व सांसद 78 वर्षीय एन विडिकॉम्ब की उनके घर में संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या किए जाने का एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। डेवोन के डार्टमूर स्थित उनके आवास पर विडिकॉम्ब का शव गंभीर चोटों के साथ बरामद हुआ, जिसके बाद समूचे ब्रिटिश राजनीतिक हलके में शोक और आक्रोश की लहर दौड़ गई है।

पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 26 वर्षीय एक ब्रिटिश नागरिक को हत्या के संदेह में गिरफ्तार कर लिया है। डेवोन और कॉर्नवाल पुलिस के अनुसार, एम्बुलेंस सेवा को गुरुवार सुबह करीब 11:40 बजे डेवोन के हेयटोर स्थित उनके घर 'विडिकॉम्ब्स रेस्ट' में उनका शव मिला। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने पास के ही न्यूटन एबट इलाके से एक संदिग्ध युवक को दबोच लिया, जिससे फिलहाल हिरासत में पूछताछ की जा रही है। एक्सेटर में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में असिस्टेंट चीफ कांस्टेबल मैट लॉन्गमैन ने स्पष्ट किया कि शुरुआती जांच और आतंकवाद विरोधी अधिकारियों के साथ विमर्श के बाद इस हमले में किसी भी प्रकार के आतंकवादी या राजनीतिक मकसद को खारिज कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जांच अभी शुरुआती चरण में है और पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर काम कर रही है।

ब्रिटेन के शीर्ष नेताओं ने व्यक्त किया गहरा शोक : इस भीषण घटना के बाद ब्रिटेन के राजनीतिक दलों के नेताओं ने राजनीति से ऊपर उठकर इस कृत्य की निंदा की है और दुख जताया है: प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने इस घटना पर गहरा दुख जताते हुए कहा, 'यह बेहद चौंकाने वाली खबर है। एन कई वर्षों तक एक प्रतिष्ठित राजनीतिज्ञ रहीं और उनका जाना एक बहुत बड़ी क्षति है। इस दुखद घड़ी में हम सभी की संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं।' कंज़रवेटिव पार्टी की नेता केमी बैडेनोच ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, 'मैं इस खबर से स्तब्ध हूं। समझ नहीं आता कि कोई एक बुजुर्ग महिला के साथ ऐसा भयानक और क्रूर कृत्य कैसे कर सकता है। इस दुखद खबर से हमारी पार्टी गहरे सदमे में है।' लिब डेम नेता एड डेवी ने इसे एक अत्यंत भयावह घटना बताते हुए कहा कि एन ने अपना पूरा जीवन लोक सेवा के लिए समर्पित कर दिया था।

राजनीति के साथ-साथ टीवी जगत में भी थीं मशहूर : एन विडिकॉम्ब 1987 से 2010 तक कंज़रवेटिव पार्टी की सांसद और पूर्व मंत्री रहीं। बाद में 2019 में वे 'ब्रेक्सिट पार्टी' (अब रिफॉर्म यूके) में शामिल हुईं और 2020 तक यूरोपीय संसद की सदस्य रहीं। राजनीति के अलावा वे ब्रिटिश टीवी जगत का भी एक जाना-माना चेहरा थीं और 'स्ट्रिक्टली कम डांसिंग' और 'सेलिब्रिटी बिग ब्रदर' जैसे बेहद लोकप्रिय रियलिटी शोज़ का हिस्सा रह चुकी थीं। फिलहाल पुलिस की मेजर क्राइम इन्वेस्टिगेशन टीम ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है और फोरेंसिक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। मुख्य जांच अधिकारी इलोना रॉसन ने जनता से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की अफवाहों या अटकलों से बचें, क्योंकि यह जांच को प्रभावित करने के साथ-साथ पीड़ित परिवार के लिए और अधिक दुखद हो सकता है।

बहामास में प्लेन क्रैश, आजादी के जश्न के बीच 10 लोगों की मौत; सरकार ने सस्पेंड की विमान सेवाएं

नासाऊ, एजेंसी। कैरेबियाई देश बहामास से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। शुक्रवार को बहामास की आजादी की 53वीं सालगिरह के मौके पर पूरा देश जश्न में डूबा था, लेकिन एक भीषण विमान हादसे ने इस खुशी को गहरे मातम में बदल दिया। नॉर्थ एंड्रॉस के पास एक छोटा निजी विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई है। यह इलाका राजधानी नसाऊ के पश्चिम में समुद्र में स्थित है।

प्रधानमंत्री ने की मौत की पुष्टि : शुरुआती जानकारी में बचाव कार्यों के दौरान यह उम्मीद जताई गई थी कि कम से कम एक व्यक्ति जीवित बचा है। बहामास के प्रधानमंत्री फिलिप ब्रेव डेविस ने शुरू में एक ह्यह्वह्म्1द्व1श्वह्ल्की सूचना दी थी, लेकिन बाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने बताया कि उस व्यक्ति ने भी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। प्रधानमंत्री ने इस घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि हम गहरे दुख के साये में हैं। जो परिवार आज अपने प्रियजनों के घर लौटने का इंतजार कर रहे थे, उन्हें यह दुखद खबर मिली है। हम उनके प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

हादसे का शिकार हुआ सेसना 402 विमान : बहामास एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन अथॉरिटी द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त विमान 'सेसना 402' था, जो बहामास में ही रजिस्टर्ड था। यह विमान नसाऊ के लिंडन पिंडलिंग इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सैन एंड्रॉस के लिए उड़ान भर रहा था लेकिन गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही यह हादसे का शिकार हो गया। फिलहाल मृतकों की पहचान उजागर नहीं की गई है। फ्लेमिंगो एयर की उड़ानें सस्पेंड इस घातक दुर्घटना के बाद बहामास सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए 'फ्लेमिंगो एयर' के एयर ऑपरेटर सर्टिफिकेट को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। ऊर्जा, यूटिलिटी और एविएशन मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह कदम सुरक्षा के मद्देनजर एक एहतियाती उपाय के रूप में उठाया गया है।

एक ही दिन में दो घटनाएं : एविएशन मंत्री जोबेथ कोल्बी-डेविस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह निलंबन केवल इस क्रैश की वजह से नहीं, बल्कि शुक्रवार को हुई सुरक्षा से जुड़ी दो अलग-अलग घटनाओं के कारण किया गया है। पहली घटना में फ्लेमिंगो एयर का एक विमान मायागुआना जा रहा था लेकिन तकनीकी खराबी के कारण पायलट को विमान वापस नसाऊ मोड़ना पड़ा। राहत की बात यह रही कि यात्रियों के सुरक्षित उतरने के बाद विमान में आग लगी। इस दूसरी घटना और प्लेन क्रैश, दोनों की गहन जांच के आदेश दे दिए गए हैं। चीन आमतौर पर सैन्य कर्मियों की मौत की जानकारी सार्वजनिक नहीं करता और उसने इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान भी जारी नहीं किया है।

भारत और न्यूजीलैंड ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया: पीएम लक्सन

ऑकलैंड, एजेंसी। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने शनिवार को घोषणा की कि भारत और न्यूजीलैंड अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। इसका मकसद द्विपक्षीय सहयोग को गहरा करना और आने वाले सालों में जुड़ाव बढ़ाने के लिए एक बड़ा फ्रेमवर्क देना है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे को दोनों देशों के संबंधों में एक अहम पड़ाव बताया और कहा कि यह 40 सालों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का न्यूजीलैंड का पहला दौरा है। ऑकलैंड में पीएम मोदी के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत में प्रधानमंत्री लक्सन ने कहा, 'यह सच में एक ऐतिहासिक घटना है, जैसा कि आपने और मैंने कल रात बात की थी, 40 सालों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का न्यूजीलैंड का पहला दौरा। यह दौरा न्यूजीलैंड-भारत के संबंधों में भी एक अहम पड़ाव है। जब मैं पिछले साल भारत आया था, तो आपने मेरा और मेरे प्रतिनिधिमंडल का बहुत गर्मजोशी और बहुत उदारता से स्वागत किया था। इसलिए मुझे आपका यहां स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए पीएम मोदी के व्यक्तिगत प्रतिबद्धता के लिए उनका शुक्रिया अदा करते हुए, लक्सन ने कहा कि बातचीत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से आगे बढ़ेगी और दोनों देशों के बीच पूरी साझेदारी को बढ़ाने पर फोकस करेगी। उन्होंने आगे कहा, 'इस संबंध के लिए धन्यवाद और इसमें आपने जो भी किया है, उसके लिए भी धन्यवाद। मुझे लगता है कि हमने व्यापार एजेंडा पर बहुत कम समय में जबरदस्त तरक्की की है। लेकिन आज का फोकस सिर्फ एफटीए से कहीं ज्यादा है। यह इस बारे में है कि हम इस संबंधों में आगे कहां जाते हैं और हम इसे कैसे बड़ा करते हैं और मुझे पता है कि हमने ऐसा किया है। मुझे यह बताते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि हम एक रणनीतिक साझेदार बनाने जा रहे हैं जो इस संबंधों को और ज्यादा फ्रेमवर्क और गहराई देगी ताकि हम यहां से आगे बढ़ते हुए इसे और बढ़ा सकें।' इसके अलावा, पीएम लक्सन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि न्यूजीलैंड और भारत भले ही हिंद-प्रशांत के दो अलग-अलग छोर पर हों, लेकिन एफटीए के जरिए आर्थिक संबंधों को बढ़ाने में भौगोलिक दूरी आड़े नहीं आई है। लक्सन ने कहा, 'न्यूजीलैंड और भारत हिंद-प्रशांत के बीच में हैं, लेकिन हमारी अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने में दूरी कोई रुकावट नहीं है। हम अपने एफटीए के जरिए यही कर रहे हैं।

आसमान में मौत से मुकाबला: उड़ान के बीच खिड़की उखड़ने से हवा में खिंचा यात्री; फिर कैसे बची शख्स की जान?

माल्टा, एजेंसी। माल्टा एयर की एक फ्लाइट में शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब उड़ान के दौरान विमान की एक खिड़की अपनी जगह से उखड़ गई। इस हादसे में 61 वर्षीय एक यात्री का सिर, गर्दन और कंधे खिड़की से बाहर की ओर खिंच गए। विमान में मौजूद अन्य यात्रियों ने तुरंत उसे पकड़कर वापस अंदर खींच लिया, जिससे उसकी जान बच गई। यात्री को गर्दन और कंधे में चोटें आईं, साथ ही शरीर पर रगड़ लगने से जलन जैसी चोटें भी आईं। ग्रीस के एक अस्पताल के अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर यह जानकारी दी।

कहां जा रही थी फ्लाइट : यह घटना उत्तरी ग्रीस के शहर थेसालोनिकी से जर्मनी के म्यूनिख के पास स्थित मेम्मिंगेन जा रही सुबह की फ्लाइट में हुई। इस विमान का संचालन रायनएयर की सहयोगी एयरलाइन माल्टा एयर कर रही थी। रायनएयर ने अपने बयान में कहा कि उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद यात्री वाली एक खिड़की उड़ान के दौरान अपनी जगह से निकल गई, जिसके बाद विमान को वापस थेसालोनिकी लौटाना पड़ा।

खिड़की उखड़ते ही विमान में क्या हुआ : यात्रियों के मुताबिक, अचानक जोरदार धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। इसके तुरंत बाद ऑक्सीजन मास्क नीचे आ गए और विमान तेजी से ऊंचाई कम करने लगा। इससे विमान में बैठे लोगों के बीच घबराहट फैल गई और कई यात्री चीखने लगे।

यात्रियों ने कैसे बचाई उस शख्स की जान : थेसालोनिकी रेडियो से बातचीत में क्रिस्टिना नाम की एक महिला यात्री ने बताया कि हादसे के समय ज्यादातर लोग सो रहे थे। तभी जोरदार धमाका हुआ और सभी समझ गए कि विमान के केबिन का दबाव कम हो गया है। उस व्यक्ति का पूरा सिर, गर्दन और कंधे खिड़की से बाहर की तरफ खिंच गए थे। उसके पास बैठे यात्रियों ने तुरंत उसे पकड़कर अंदर खींच लिया। क्रिस्टिना ने आगे कहा कि आवाज बिल्कुल फटे हुए टायर जैसी थी, लेकिन उससे भी कहीं ज्यादा तेज। उसके बाद विमान तेजी से नीचे आने लगा। चारों तरफ चीख पुकार मच गई थी।

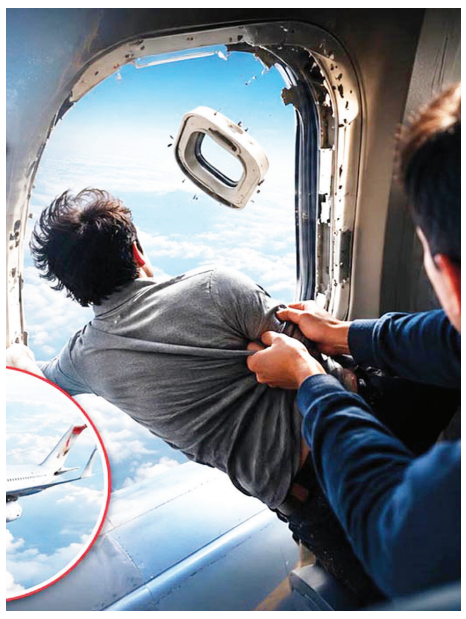

कैसे सुरक्षित उतारा गया विमान : एयरलाइन के अनुसार, विमान सुरक्षित तरीके से थेसालोनिकी हवाई अड्डे पर उतार लिया गया। सभी यात्रियों को टर्मिनल पर वापस ले जाया गया। घायल यात्री को जमीन पर ही चिकित्सकीय सहायता दी गई। बाद में यात्रियों को जर्मनी भेजने के लिए दूसरा विमान उपलब्ध कराया गया।

कौन कर रहा हादसे की जांच : अमेरिका की राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) ने बताया कि उन्हें सूचना मिली है कि विमान को दाहिने इंजन में आई समस्या और केबिन के दबाव में कमी आने के कारण वापस लौटना पड़ा। एजेंसी ने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह जांच में सहयोग करेगी। इस हादसे की मुख्य जांच रिपब्लिक ऑफ नॉर्थ मैसेडोनिया की एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट एंड इंसिडेंट इन्वेस्टिगेशन कमेटी करेगी।

कितना पुराना था विमान : यह विमान बोइंग 737-800 मॉडल का था, जिसमें अधिकतम 189 यात्री सफर कर सकते हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटराडार24 के अनुसार, यह विमान वर्ष 2008 में नया होने के बाद रायनएयर को सौंपा गया था। उड़ान के रिकॉर्ड बताते हैं कि विमान ने उड़ान भरने के करीब छह मिनट बाद लगभग 15 हजार फुट की ऊंचाई हासिल कर ली थी। इसके तुरंत बाद वह तेजी से नीचे उतरकर करीब छह हजार फुट की ऊंचाई पर आ गया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत कापोद्रा में चलती सिटी बस के नीचे अचानक धंस गई सड़क 35 फीट गहरे गड्ढे में फंसी बस

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में हाल ही में खाड़ी ओवरफ्लो और भारी बारिश से हुई तबाही के बाद अब शहर के

लोगों के सामने एक और बड़ा खतरा खड़ा हो गया है। कापोद्रा क्षेत्र के रचना BRTS रूट पर एक चलती सिटी बस के नीचे अचानक सड़क धंस गई, जिससे करीब 30 से 35 फीट गहरा विशाल गड्ढा बन गया।

घटना के दौरान बस के पिछले पहिए गड्ढे में फंस गए, जिससे बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और उनकी जान सांसत में आ गई। गनीमत रही कि चालक की सूझबूझ और किस्मत के सहारे बस पूरी तरह गड्ढे में नहीं गिरी, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। यदि पूरी बस गड्ढे में समा जाती तो भारी जनहानि से इनकार नहीं किया जा सकता था। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि कुछ समय पहले ही इसी स्थान पर ड्रेनेज लाइन का कार्य

किया गया था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि खुदाई के बाद सड़क की ठीक से भराई नहीं की गई, जिसके कारण सड़क अचानक धंस गई। करोड़ों रुपये खर्च कर बनाई गई सड़कें कुछ ही समय में बैठने लगी हैं, जिससे नगर निगम के निर्माण कार्यों और ठेकेदारों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इतनी बड़ी घटना होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों और मेयर को सूचना दी गई, लेकिन वे मौके पर नहीं पहुंचे। इसे लेकर लोगों में भारी आक्रोश है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से सूरत में कहीं सड़कें धंस रही हैं तो कहीं बड़े-बड़े गड्ढे बन रहे हैं। ऐसी घटनाएं अब आम होती जा रही हैं। लोगों का सवाल है कि आज तो बस गड्ढे में फंसने के बावजूद बड़ा हादसा टल गया, लेकिन यदि भविष्य में किसी निर्दोष की जान चली गई तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?

SMC में कथित भ्रष्टाचार की वजह से डूबा सूरत?

बमरौली में जाम सीवर पर उठे सवाल, अधिकारियों और ठेकेदारों पर स्थानीय लोगों के गंभीर आरोप

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगरपालिका (SMC) द्वारा हर वर्ष मानसून से पहले करोड़ों रुपये खर्च कर किए जाने वाले प्री-मानसून सफाई कार्यों के दावों पर सवाल उठने लगे हैं। मानसून की शुरुआत में हुई सामान्य बारिश के बाद ही शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई। इस बीच सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे फोटो और वीडियो के आधार पर स्थानीय लोगों ने नगर निगम के अधिकारियों, कर्मचारियों और ठेकेदारों पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। जलभराव से घरों और दुकानों में पानी घुसने के बाद लोगों में नगर निगम प्रशासन के प्रति नाराजगी देखी जा रही है।

सबसे गंभीर स्थिति सूरत के बमरौली क्षेत्र में देखने को मिली। स्थानीय लोगों का दावा है कि मानसून से पहले यहां सीवर और मुख्य नालों की पर्याप्त सफाई नहीं की गई। भारी बारिश के बाद शिकायतों के आधार पर जब वर्षा जल निकासी के मुख्य चैंबर का ढक्कन खोला गया, तो वहां मौजूद लोगों के अनुसार पूरी ड्रेनेज लाइन प्लास्टिक, कीचड़ और अन्य कचरे से पूरी तरह जाम मिली। बताया गया कि पानी की निकासी के लिए लगभग कोई जगह नहीं बची थी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इससे यह संदेह पैदा होता है कि सफाई कार्य अपेक्षित स्तर पर नहीं किया गया।

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि नगर निगम के जिम्मेदार इंजीनियर और अधिकारी प्री-मानसून कार्यों की प्रभावी निगरानी और स्थल निरीक्षण करने में विफल रहे। उनका कहना है कि समय पर निरीक्षण और गुणवत्ता की जांच नहीं होने के कारण बमरौली और वराछा जैसे इलाकों में जलभराव की गंभीर स्थिति बनी। लोगों का कहना है कि यदि नालों और सीवर की समय पर सफाई की गई होती तो वर्षा का पानी आसानी से निकल सकता था और घरों तथा दुकानों में पानी भरने से होने वाले नुकसान को रोका जा सकता था।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जलभराव के बाद नगर निगम के ठेकेदार दोबारा मौके पर पहुंचकर ड्रेनेज लाइन की सफाई और मरम्मत का कार्य करने लगे। इसे लेकर लोगों ने सवाल उठाए कि यदि प्री-मानसून कार्य समय पर और सही तरीके से पूरे किए गए थे, तो बारिश के बाद दोबारा सफाई की आवश्यकता क्यों पड़ी। स्थानीय नागरिकों ने पूरे मामले में कार्यों की गुणवत्ता और निगरानी को लेकर निष्पक्ष जांच की मांग की है।

मानसून की शुरुआत में ही उत्पन्न हुई जलभराव की स्थिति को देखते हुए स्थानीय लोगों ने पूरे प्री-मानसून सफाई कार्यों की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। साथ ही, यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही सामने आती है, तो संबंधित ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने, उनकी सुरक्षा जमा राशि जब्त करने तथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ विभागीय और कानूनी कार्रवाई करने की मांग भी की गई है।

सूरत रथयात्रा से पहले क्राइम ब्रांच का 'ऑपरेशन रैंबो', 70 से अधिक असामाजिक तत्व धारदार हथियारों के साथ गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में आगामी भगवान जगन्नाथजी की रथयात्रा से पहले कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सूरत क्राइम ब्रांच ने विशेष अभियान 'ऑपरेशन रैंबो' चलाया। इस अभियान के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए हत्या, लूट, मारपीट जैसे गंभीर अपराधों में संलिप्त 70 से अधिक असामाजिक तत्वों को धारदार हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कानून हाथ में लेने वालों को PASA और तड़ीपार जैसी कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। भगवान जगन्नाथजी की पवित्र आषाढ़ी बीज रथयात्रा को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से सूरत शहर पुलिस और क्राइम ब्रांच पूरी तरह एक्शन मोड में आ गई है। शहर में शांति और सुरक्षा का माहौल बनाए रखने के लिए क्राइम ब्रांच ने विशेष ड्राइव के तहत बड़े पैमाने पर कार्रवाई की।

असामाजिक तत्वों और आदतन अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए क्राइम ब्रांच ने विशेष अभियान 'ऑपरेशन रैंबो' शुरू किया। इस अभियान के तहत शहर के विभिन्न इलाकों में छापेमारी कर हत्या, लूट, मारपीट और अन्य गंभीर अपराधों में पहले से संलिप्त अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

इस मेगा अभियान के दौरान क्राइम ब्रांच ने 70 से अधिक असामाजिक तत्वों को हिरासत में लिया। चौंकाने वाली बात यह रही कि गिरफ्तार आरोपियों के पास से बड़ी संख्या में धारदार हथियार बरामद किए गए। रथयात्रा जैसे बड़े धार्मिक आयोजन से पहले इतनी बड़ी मात्रा में हथियारों की बरामदगी से पुलिस ने संभावित अप्रिय घटनाओं को समय रहते टाल दिया।

इस कार्रवाई के साथ ही सूरत पुलिस ने असामाजिक तत्वों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि कोई भी व्यक्ति अवैध हथियार के साथ पकड़ा गया या कानून-व्यवस्था भंग करने का प्रयास करेगा, तो उसके खिलाफ किसी भी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी।

पुलिस ने कहा है कि ऐसे लोगों को सीधे जेल भेजा जाएगा तथा उनके खिलाफ PASA (गुजरात असामाजिक गतिविधियां निवारण अधिनियम) के तहत निरोधात्मक कार्रवाई और तड़ीपार (जिला बदर) जैसी कठोर कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

उधना में लक्ष्मीनारायण इंडस्ट्रीज के निर्माणाधीन भवन में हादसा

मजदूर की मौत न्याय की मांग को लेकर परिजनों ने शव लेने से किया इनकार

निर्माण स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उठे सवाल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के उधना क्षेत्र स्थित लक्ष्मीनारायण इंडस्ट्रीज के एक निर्माणाधीन भवन में काम के दौरान झालोद निवासी प्रवासी मजदूर मनियाभाई धीराभाई डामोर की पांचवीं मंजिल से गिरने के कारण मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने ठेकेदार पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाते हुए आर्थिक मुआवजा और कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलेगा, तब तक वे शव स्वीकार नहीं करेंगे और पोस्टमॉर्टम भी नहीं होने देंगे।

मूल रूप से गुजरात के दाहोद जिले के झालोद तहसील के खरवाणी गांव निवासी मनियाभाई धीराभाई डामोर लक्ष्मीनारायण इंडस्ट्रीज के प्लॉट नंबर 608-609 स्थित निर्माण स्थल पर मजदूरी कर रहे थे। काम के दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से वे पांचवीं मंजिल से नीचे गिर गए। सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आने के बाद उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

हादसे के बाद अस्पताल परिसर में परिजनों और श्रमिकों ने विरोध जताया। परिजनों का आरोप है कि इतनी ऊंचाई पर काम कराने के बावजूद मजदूरों को सुरक्षा जाल (सेफ्टी नेट), सेफ्टी बेल्ट और हेलमेट जैसे आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए गए थे। उनका कहना है कि यदि सुरक्षा के उचित इंतजाम होते, तो मनियाभाई की जान बचाई जा सकती थी। परिवार ने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज करने की मांग की है।

अवैध निर्माण और मुआवजे की मांग

सामाजिक कार्यकर्ता हितेशभाई आदिवासी का आरोप है कि इस निर्माण स्थल पर केवल पांच मंजिल की अनुमति होने के बावजूद छठी मंजिल का निर्माण कार्य किया जा रहा था। उन्होंने यह भी दावा किया कि सूरत में पिछले एक महीने के दौरान विभिन्न निर्माण स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था के अभाव में 40 से 50 मजदूरों की मौत हो चुकी है। उन्होंने मांग की कि पीड़ित परिवार को तत्काल उचित आर्थिक मुआवजा और कानूनी न्याय दिया जाए।

न्याय मिलने तक प्रदर्शन जारी रखने की चेतावनी

मृतक के परिजनों ने सिविल अस्पताल के बाहर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि जब तक संबंधित ठेकेदार और भवन मालिक के खिलाफ पुलिस कड़ी कार्रवाई कर उन्हें गिरफ्तार नहीं करती तथा परिवार को उचित आर्थिक मुआवजा नहीं दिया जाता, तब तक वे पोस्टमॉर्टम नहीं होने देंगे और शव भी स्वीकार नहीं करेंगे।

सूरत 192 दिनों में 63 हत्याएं

डिंडोली के राजमहल मॉल में रिकवरी एजेंट की चाकू मारकर हत्या

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के डिंडोली क्षेत्र स्थित राजमहल मॉल की पहली मंजिल पर एक रिकवरी एजेंट की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। शनिवार सुबह सफाई के लिए पहुंची एक महिला ने युवक का शव देखा, जिसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। डिंडोली पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत के आधार पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डिंडोली के नवागाम स्थित रघुकुलनगर निवासी 20 वर्षीय राज अजय दुबे शुक्रवार को घर से अपनी बाइक की मरम्मत कराने की बात कहकर निकला था। देर रात तक उसके घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उस समय कोई विशेष आशंका नहीं जताई।

शनिवार सुबह जब एक महिला सफाई कर्मचारी राजमहल मॉल की पहली मंजिल पर पहुंची, तो वहां उसने एक युवक का खून से लथपथ शव पड़ा देखा। महिला ने तुरंत आसपास के दुकानदारों को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस कंट्रोल रूम को घटना की जानकारी दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस के अनुसार, मृतक राज एक मोपेड कंपनी में रिकवरी एजेंट के रूप में कार्यरत था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उसके गले और पेट पर चाकू से वार किए गए थे, जिससे उसकी मौत हो गई। हत्या के पीछे का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है और पुलिस विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि राज अक्सर अपने दोस्तों के साथ राजमहल मॉल के आसपास बैठता था।

तीन संदिग्ध युवकों से पूछताछ

मामले की जांच के दौरान पुलिस ने तीन संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। साथ ही, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि आरोपियों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

192 दिनों में 63 हत्या के मामले दर्ज

पुलिस आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष 1 जनवरी से 11 जुलाई तक कुल 192 दिनों में शहर में 63 हत्या के मामले दर्ज किए गए हैं। यानी औसतन हर तीन दिन में एक हत्या का मामला सामने आया है। इन आंकड़ों ने सूरत जैसे आर्थिक रूप से विकसित और अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाने वाले शहर में कानून-व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

पुलिस स्टेशन के बाहर कीर्ति पटेल का हंगामा, 'ए राजू... शायद तुम्हें कानून की जानकारी नहीं'

सस्पेंड महिला कॉन्स्टेबल नयना बारैया के खिलाफ भी FIR दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कीर्ति पटेल विवादित बयानों और सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वाली सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कीर्ति पटेल एक बार फिर कानूनी कार्रवाई के दायरे में आ गई हैं। सूरत के पुणा पुलिस स्टेशन में कीर्ति पटेल और भावनगर की निलंबित महिला पुलिस कॉन्स्टेबल नयना बारैया के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

यह शिकायत भावनगर जिले के बोरडा गांव के सरपंच के पति एवं व्यवसायी राजू भम्मर ने दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि दोनों ने सोशल मीडिया के माध्यम से उनके और उनके परिवार की मानहानि की तथा धमकियां दीं।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के अनुसार, कीर्ति पटेल पुणा पुलिस स्टेशन के बाहर आक्रामक अंदाज में दिखाई दीं। वीडियो में वह कहती सुनाई देती हैं कि अब वह 'झूठे मामलों को और बर्दाश्त नहीं करेंगी।' उन्होंने शिकायतकर्ता राजू को सार्वजनिक रूप से चुनौती देते हुए कहा कि यदि कोई शिकायत करनी है तो वह पुलिस स्टेशन के बाहर मौजूद हैं और सामने आकर बात करे। साथ ही उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज मामलों को झूठा बताते हुए मानहानि का मुकदमा करने की भी बात कही।

पुणा पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) तथा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच पुणा पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक आर.एच. मोरी को सौंपी गई है। पुलिस के अनुसार, आगे की जांच में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

शिकायतकर्ता राजू भम्मर ने अपनी शिकायत में कहा है कि वह पहले निलंबित महिला पुलिसकर्मी नयना बारैया के साथ लगभग 21 महीने तक लिव-इन रिलेशनशिप में रहे थे। उनका आरोप है कि संबंध समाप्त होने के बाद नयना बारैया के कहने पर कीर्ति पटेल ने उनके और उनके परिवार को सोशल मीडिया पर बदनाम करने की सुनियोजित साजिश रची।

शिकायत के अनुसार, 5 जून 2026 को कीर्ति पटेल ने व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से राजू भम्मर से संपर्क किया और उनकी पत्नी, जो गांव की सरपंच हैं, के बारे में गंभीर और कथित रूप से झूठे आरोप लगाए। शिकायतकर्ता का यह भी आरोप है कि बातचीत के दौरान उन्हें धमकियां दी गईं और अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया गया।

एफआईआर के अनुसार, इसके बाद कीर्ति पटेल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट 'KIRTI NI MOJz143' से कई वीडियो और रील्स पोस्ट किए, जिनमें शिकायतकर्ता और उनके परिवार के बारे में कथित रूप से मानहानिकारक टिप्पणियां की गईं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इन पोस्टों के माध्यम से परिवार की सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि वायरल वीडियो में कीर्ति पटेल ने शिकायतकर्ता पर कई गंभीर आरोप लगाए तथा कथित रूप से धमकी भरे बयान दिए। शिकायतकर्ता का दावा है कि इन बयानों से उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची और उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया।

एफआईआर में यह भी आरोप लगाया गया है कि निलंबित महिला कॉन्स्टेबल नयना बारैया ने कीर्ति पटेल द्वारा पोस्ट किए गए कथित मानहानिकारक वीडियो और रील्स को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट 'naina paliwal 0005' की स्टोरी और स्टेटस पर साझा किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में आगे की कार्रवाई जांच के निष्कर्षों के आधार पर की जाएगी।